CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 334 ता. 16 जून 2021, बुधवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

मॉनसून की दस्तक, कहां-कब होगी बारिश

नई दिल्ली। भारत के कई हिस्सों में मॉनसून दस्तक दे चुका है। देशभर के कई राज्यों में भारी बारिश के साथ मॉनसून का असर देखने को मिल रहा है। महाराष्ट्र से लेकर बिहार तक जोरदार बारिश हो रही है। मुंबई में भारी बारिश को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था। यूपी के कई जिलों में भी बादल लगातार बरस रहे हैं। यूपी, बिहार और मध्य प्रदेश के बाद अब दिल्ली में मॉनसून की दस्तक होने जा रही है। मौसम विभाग ने कहा कि दिल्ली एनसीआर, हरियाणा और पंजाब में भी आज बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में आज हल्की-फुल्की बारिश देखने को मिलेगी। मौसम विभाग का कहना है कि हरियाणा में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी। मौसम विभाग ने कहा, अगले 2 घंटों के दौरान जींद, कोसली, फरुखनगर, आदमपुर, रेवाड़ी (हरियाणा) और आसपास के इलाकों में 20-40 किमी प्रति घंटे (किलोमीटर प्रति घंटे) की हवा के साथ हल्की से मध्यम तीव्रता की बारिश होगी। इससे पहले सोमवार को आईएमडी ने अपने दैनिक बुलेटिन में कहा था कि पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में बारिश और गरज के साथ 15 जून की सुबह से 16 जून तक और बढ़ने की संभावना है।

देश के इन हिस्सों में भी बरसेंगे बादल-मौसम विभाग ने बताया जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होगी।

दिल्ली में मॉनसून के आने में देरी-पूर्वी हवाओं के कमजोर पड़ने से मॉनसून की गति थोड़ी धीमी हो गई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन तक हल्की-फुल्की बरसात तो होगी, लेकिन मानसून की घोषणा के लिए अभी इंतजार करना पड़ेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि मंगलवार को दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के चलने के साथ हल्की बरसात हो सकती है।

बंगाल भाजपा में टूट का संकट

राज्यपाल के साथ शुभेंदु की मीटिंग से गायब रहे भाजपा के 24 विधायक; तृणमूल में शामिल होने की अटकलें तेज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा शामिल हुए लोगों की घर वापसी रोकने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। हालांकि, पार्टी की यह कोशिश नाकाम होती दिख रही है। बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार शाम को राजभवन में पार्टी विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ राज्यपाल जगदीप धनखड़ से मुलाकात की थी। इस दौरान करीब 24 विधायकों ने मीटिंग से दूरी बना ली। तभी से अटकलें लगाई जा रही हैं कि कहीं अब बंगाल भाजपा में टूट तो नहीं होने जा रही।

शुभेंदु नेता के तौर पर स्वीकार नहीं- रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा नेताओं की बैठक का मकसद राज्यपाल को राज्य में हो रही कई हिंसक और गलत घटनाओं की जानकारी देना और अन्य महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा करना था, लेकिन भाजपा के 74 में से 24 विधायक शुभेंदु के साथ नहीं आए। ऐसे में पार्टी से रिवर्स माइग्रेशन की अटकलें शुरू हो गई हैं। इसकी वजह यह भी मानी जा रही है कि सभी भाजपा विधायक शुभेंदु को नेता के तौर पर स्वीकार नहीं करना चाहते।

कई विधायक बदलना चाहते हैं पाला-रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा के कई विधायक तृणमूल के संपर्क में हैं। माना जा रहा है कि कई भाजपा विधायक वापस तृणमूल कांग्रेस में जा सकते हैं। पिछले हफ्ते मुकुल रॉय तृणमूल में लौट आए। माना जा रहा है कि राजीव बनर्जी, दीपेंदु विश्वास और सुभ्रांशु रॉय सहित कई अन्य नेता भी रॉय के पीछे-पीछे घर वापसी कर सकते हैं। रॉय भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े थे और कृष्णानगर उत्तर सीट पर जीत हासिल की थी।

30 से ज्यादा विधायक संपर्क में-इस बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी कहा था कि पार्टी उन लोगों के मामले पर विचार करेगी, जिन्होंने मुकुल के साथ तृणमूल छोड़ी थी और वापस आना चाहते हैं। TMC सूत्रों के मुताबिक, 30 से ज्यादा विधायक उनके संपर्क में हैं। रॉय से पहले सोनाली गुहा और दीपेंदु बिस्वास जैसे नेताओं ने खुलकर कहा था कि वे पार्टी में वापस लौटना चाहते हैं।

टीएमसी से आए इन नेताओं को बीजेपी ने दिया था टिकट

▪ शुभेंदु अधिकारी	▪ दीपक हलदर	▪ मिहिर गोस्वामी
▪ मुकुल रॉय	▪ रवींद्रनाथ भट्टाचार्य	▪ सैकत पांजा
▪ राजीब बनर्जी	▪ पार्थ सारथी चटर्जी	▪ बिस्वजी कुंडू
▪ वैशाली डालमिया	▪ अरिंदम भट्टाचार्य	▪ जितेंद्र तिवारी

दुर्गापुर पूर्व से दिपांगशु चौधरी

भाजपा अध्यक्ष की मीटिंग से भी कई विधायक गायब रहे थे-सूत्रों के मुताबिक, हाल ही में बंगाल भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष की बुलाई बैठक में पार्टी के सांसद शांतनु ठाकुर और तीन अन्य विधायक नहीं पहुंचे थे। प्रभावशाली मतुआ समुदाय के एक प्रमुख सदस्य सांसद शांतनु ठाकुर विधानसभा चुनाव से पहले ही बंगाल में CAA कानून को लागू करने को लेकर भाजपा के रुख से असंतुष्ट हैं। इनके अलावा तीन विधायक बिस्वजीत दास (बगड़ा), अशोक कीर्तनिया (बोनगांव उत्तर) और सुब्रत ठाकुर (गायघाटा) के नाम की चर्चा हो रही है।

चुनावी नतीजों ने दल-बदलुओं को बड़ा झटका दिया-बंगाल की 294 में से 213 सीटें TMC ने जीती हैं। 77 सीटों पर BJP को जीत मिली है। चुनाव के चंद महीनों पहले TMC के 50 से ज्यादा नेताओं ने BJP का दामन थाम लिया था। इसमें 33 तो विधायक थे, उन्हें पूरी उम्मीद थी कि इस बार BJP ही जीतेगी। कई की आस BJP में आने के बाद भी पूरी नहीं हो पाई थी, क्योंकि पार्टी ने उन्हें टिकट ही नहीं दिया।

नेताओं की TMC से दूरी बनाने की तीन बड़ी वजहें थीं। पहली वजह, उनका टिकट काटा या बदला गया था। दूसरी, वे पार्टी जिस ढंग से चल रही थी, उससे खुश नहीं थे। तीसरी, वे BJP की जीत को लेकर आश्वस्त थे और उन्हें BJP से टिकट मिलने की भी उम्मीद थी। पर नतीजों ने दल-बदलुओं को बड़ा झटका दिया। इसलिए अब ये नेता घर वापसी चाहते हैं।

यमुना में प्रदूषण

नए बीआईएस मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने वाले साबुन पर दिल्ली में लगा प्रतिबंध

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने यमुना नदी में प्रदूषण को रोकने के लिए नवीनतम बीआईएस मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने वाले साबुन और डिटर्जेंट पाउडर की बिक्री, भंडारण, परिवहन और विपणन पर सोमवार को प्रतिबंध लगा दिया है। गौरतलब है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने जनवरी में दो सदस्यीय विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया था, जिसने दिल्ली सरकार को संशोधित बीआईएस मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने वाले डिटर्जेंट की बिक्री, भंडारण और परिवहन और विपणन पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी करने का निर्देश देने का सुझाव दिया था। एनजीटी ने घटिया साबुन और डिटर्जेंट के उपयोग के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता अभियान शुरू करने का भी निर्देश दिया था। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने सोमवार को जारी एक आदेश में कहा कि दिल्ली में साबुन और डिटर्जेंट की बिक्री, भंडारण, परिवहन और विपणन सुविधाओं से संबंधित दुकानों और अन्य प्रतिष्ठानों पर नियंत्रण रखने वाले स्थानीय निकायों, नागरिक आपूर्ति विभाग और जिला प्रशासन सहित सभी संबंधित अधिकारियों को सख्त निगरानी और औचक निरीक्षण के माध्यम से निर्देशों का पालन सुनिश्चित करना चाहिए। प्रदूषण नियंत्रण निकाय ने संबंधित अधिकारियों से किए गए निरीक्षणों और बाद में की गई कार्रवाई की मासिक कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। विशेषज्ञों ने यमुना नदी में प्रदूषण के प्रमुख कारणों में से एक कारण साबुन और डिटर्जेंट को बताया है। कई बार, दिल्ली में नदी की सतह पर तैरते जहरीले झाग के दृश्य भी सोशल मीडिया पर छाए रहते हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के एक अधिकारी के अनुसार, रंगाई उद्योगों, धोबी घाटों और घरों में इस्तेमाल होने वाले डिटर्जेंट के कारण अपशिष्ट जल में फॉस्फेट की मात्रा अधिक हो जाती है, जो यमुना में जहरीले झाग के बनने का प्राथमिक कारण है।

कोरोना वायरस का नया वैरिएंट 'डेल्टा प्लस' आया सामने

भारत को लेकर क्या बोले वैज्ञानिक

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के डेल्टा वैरिएंट में नया म्यूटेशन हुआ है, जो पहले वाले से अधिक घातक माना जा रहा है। हालांकि, कोरोना वायरस के इस नए स्वरूप के अधिक संक्रामक होने के सुबूत नहीं मिले हैं। वैज्ञानिकों ने इसे डेल्टा प्लस या एवाई.1 नाम दिया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस नए वैरिएंट से फिलहाल भारत को तत्काल डरने की जरूरत नहीं है, क्योंकि देश में डेल्टा वैरिएंट के ज्यादा मामले नहीं हैं।

डेल्टा प्लस वैरिएंट कोरोना वायरस के डेल्टा या 'बी1.617.2' प्रकार में उत्परिवर्तन होने से बना है जिसकी पहचान पहली बार भारत में हुई थी। हालांकि, वायरस के नए प्रकार के कारण बीमारी कितनी घातक हो सकती है इसका अभी तक कोई संकेत नहीं मिला है। डेल्टा प्लस भारत में हाल में ही अधिकृत 'मोनोक्लोनल एंटीबाडी कॉकटेल' उपचार का रोधी है जिसे हाल ही में मंजूरी मिली है।

इंडियन इंस्टीट्यूट आफ जेनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलाजी के विज्ञानी डा. विनोद सकारिया ने रविवार को ट्वीट कर डेल्टा वैरिएंट के नए म्यूटेशन के खिलाफ मोनोक्लोनल एंटीबाडी के प्रभावी नहीं होने पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा कि यह उत्परिवर्तन SARS-CoV-2 के स्पाइक प्रोटीन में हुआ है जो वायरस को मानव कोशिकाओं के भीतर जाकर संक्रमित करने में सहायता करता है।

स्कारिया ने ट्विटर पर लिखा, 'भारत में के417एन से उपजा प्रकार अभी बहुत ज्यादा नहीं है. यह सीक्वेंस ज्यादातर यूरोप, एशिया और अमेरिका से सामने आए हैं।' इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि फिलहाल इसके बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए और डाटा की जरूरत होगी। वैसे भी मोनोक्लोनल एंटीबाडी की इजाजत सिर्फ इमरजेंसी हालात में दी गई है और यह कोरोना के इलाज की पुख्ता दवा नहीं है।

कोविड संक्रमित बच्चों की देखभाल के लिए वॉर्ड में रह सकेंगे मां-बाप

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमित बच्चा अगर अस्पताल में भर्ती है तो उसके अभिभावक (माता-पिता) को कोविड वॉर्ड में प्रवेश दिया जा सकता है। उन्हें पीपीई किट पहनकर वहां रुकने की अनुमति दी जानी चाहिए। तीसरी लहर के मद्देनजर सरकार की ओर से गठित विशेषज्ञ समिति ने यह सुझाव दिया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जल्द इस पर फैसला लेंगे।

समिति ने सुझाव दिया कि आईसीयू में बच्चों की देखभाल के लिए और स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षित करने की जरूरत है। पीडियाट्रिक आईसीयू तैयार करने की बात कही है। तीसरी लहर के लिए 10 हजार से ज्यादा आईसीयू बेड बनाने की योजना बनाई गई है। यह ऑक्सीजन बेड से अलग होंगे।

सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, अभिभावकों को तभी कोविड वार्ड में प्रवेश मिलेगा जब बच्चा बहुत रो रहा हो। बगैर माता-पिता के उसे हैंडल करना मुश्किल हो रहा हो।

अस्पताल में अभिभावकों को रुकने के लिए अलग से केंद्र बनाया जाएगा। बच्चों को कैसे संभाला जाए, कैसे इलाज किया जाए, इसके लिए प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की टीम बनाने की बात कही गई है।

टीका लेने वालों से ज्यादा मजबूत है कोविड संक्रमित हो चुके लोगों की इम्यूनिटी, नई स्टडी में चौंकाने वाले नतीजे

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामले पहले के मुकाबले कम हुए हैं। अब केंद्र, राज्य सरकारों का पूरा फोकस कोरोना टीका अधिक से अधिक लगाने पर शिफ्ट हो गया है। कोरोना की दूसरी लहर में मरीजों की बढ़ती संख्या और इससे होने वाली मौतों से स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। कोरोना की तीसरी लहर की तैयारी अभी से शुरू हो गई है और फोकस इस बात पर है कि तीसरी लहर आए उससे पहले कोरोना का टीका अधिक से अधिक लोगों को लग जाए। हालांकि सवाल इसका भी है कोरोना का टीका कितने दिनों तक असरदार रहेगा।

संक्रमण के बाद 1 साल तक बनी रहती है एंटीबॉडी

एक अध्ययन के अनुसार, कोविड - 19 संक्रमण से ठीक होने वाले लोगों में एंटीबॉडी और इम्यून मेमोरी छह महीने से एक वर्ष तक बनी रहती है, और टीकाकरण होने पर वे और भी सुरक्षित हो जाते हैं। रॉकफेलर यूनिवर्सिटी और न्यूयॉर्क में वेइल कॉर्नेल मेडिसिन की एक टीम के नेतृत्व में शोधकर्ताओं का ये निष्कर्ष, सोमवार को प्रकाशित किया गया था। इससे पता लगा है कि Sars-Co1-2 की इम्यूनिटी लंबी हो सकती है।

● कोरोना की तीसरी लहर की तैयारी अभी से शुरू हो गई है और फोकस इस बात पर है कि तीसरी लहर आए उससे पहले कोरोना का टीका अधिक से अधिक लोगों को लग जाए। हालांकि सवाल इसका भी है कोरोना का टीका कितने दिनों तक असरदार रहेगा।

शोधकर्ताओं ने 63 लोगों का अध्ययन किया जिन्हें संक्रमण से उबरे 1.3 महीने, 6 महीने और 12 महीने हो चुके थे। इनमें से 26 लोगों को फाइजर-बायोएनटेक या मॉडर्न वैक्सीन की एक खुराक मिली। अध्ययन में कहा गया कि टीकाकरण के अभाव में, Sars-Co1-2 के रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन (आरबीडी) के प्रति एंटीबॉडी रिएक्टिविटी, गतिविधि को निष्क्रिय करना और आरबीडी-स्पेसिफिक मेमोरी बी सेल्स की संख्या 6 से 12 महीनों तक स्थिर रहती है।

टीके के बाद गजब नतीजे

इसमें कहा गया है कि जिन लोगों को टीका मिला है, उनके मामले में नतीज हास्यास्पद हैं - वे वायरस को बेअसर कर दे रहे हैं। इनमें एंटीबॉडी इतनी बढ़ जा रही है कि कोरोना के गंभीर वैरिएंट को भी हरा दे रही है। नेचुरल इंफेक्शन के साथ इम्यून रेस्पोंस अविश्वसनीय रूप से 12 महीने तक चलता है। वहीं टीकाकरण के बाद प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया काफी मजबूत हो जाती है।

दिल्ली में 4.8 मिलियन टन सीओ 2 उत्सर्जन में कमी आएगी, बस एक कदम उठाना होगा- अरपन चटर्जी

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति खराब है। अगर लॉकडाउन के दिनों को छोड़ दिया जाए तो दिल्ली के प्रदूषण की तस्वीर और आंकड़े भयावह हैं। यूमास (यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स एमरेस्ट) की दिल्ली के प्रदूषण पर तैयार रिपोर्ट में भी कहा गया कि लॉकडाउन ने दिल्ली समेत चेन्नई, मुंबई जैसे शहरों की हवा को साफ किया, लेकिन यह स्थिति अधिक दिनों तक नहीं रही। प्रदूषण जैसी जानलेवा समस्या का समाधान करना है तो हमें दीर्घकालिक हल तलाशना होगा। यह संभावित हल क्या हो सकता है और इस प्रदूषण से कैसे बचा जा सकता है, इन सब बातों को लेकर हमने यूमास की रिपोर्ट तैयार करने वाले अरपन चटर्जी से बात की।

दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति खतरनाक है। आपकी रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में प्रदूषण के कौन-कौन से प्रमुख कारण हैं?

दिल्ली में प्रदूषण की पहली वजह आसपास के राज्यों से होने वाली क्रॉप बर्निंग (फसलों को जलाना) है। हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश में होने वाली क्रॉप बर्निंग से दिल्ली की हवा दमघोंटू हो जाती है। सरकारों ने लाख कोशिश की है, पर इसका स्थायी समाधान आज तक नहीं तलाशा जा सका है। वहीं, दिल्ली लैंडलॉक्ड है। इसके आसपास

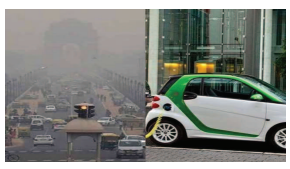

कोई समुद्र नहीं है। इससे दिल्ली सभी जगहों से प्रभावित हो जाती है। दूसरी वजह यहां का इंडस्ट्रियल प्रदूषण है, जो दिल्ली की हवा को खराब कर देता है। इंडस्ट्रियल प्रदूषण के संदर्भ में देखें तो नजफगढ़ ड्रेन बेसिन भारत का दूसरा सबसे प्रदूषित क्लस्टर है। इस बेसिन में आनंद पर्वत, नारायणा, ओखला और वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया का प्रदूषण आता है।

प्रदूषण का तीसरा कारण है दिल्ली में अत्यधिक वाहनों का होना। दिल्ली में अंधाधुंध तरीके से वाहन बढ़ते जा रहे हैं। ट्रैफिक जाम और वाहनों की संख्या भी दिल्ली के प्रदूषण के प्रमुख कारण हैं। चौथा, दिल्ली के आसपास के क्लस्टर जैसे, गाजियाबाद, फरीदाबाद, नोएडा में हो रहे निर्माण कार्य भी दिल्ली की हवा को जहरीला बना देते हैं। इसके लिए भी सख्त नियम बनाए जाने की आवश्यकता है।

अगर आंकड़ों की बात करें तो पांच सेक्टर से सबसे अधिक उत्सर्जन होता है। ये पांच सेक्टर इंडस्ट्री, ट्रांसपोर्ट, पावर प्लांट, सड़क की धूल और निर्माण कार्य हैं। वायु प्रदूषण के मुख्य स्रोत पार्टिकुलेट मैटर, ओजोन, नाइट्रोजन डाइ-ऑक्साइड, कॉर्बन मोनो-ऑक्साइड, सल्फर डाइ-ऑक्साइड आदि हैं। विभिन्न स्टडी रिपोर्ट इस बात का दावा करती है कि प्रदूषण हमारी सेहत खराब कर रहा है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए तो यह विनाशकारी है। ऐसी क्या वजह है कि इन ग्रुप के लिए यह अधिक भयावह है?

प्रदूषण हर आयु वर्ग की सेहत के लिए नुकसानदेह है, पर बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह काफी दिक्कतभरा है। बच्चों के शरीर पर इसका असर काफी खतरनाक है। यह बच्चों के फेफड़ों के साथ-साथ उनके दिमाग पर भी असर डालता है। इससे एक तरफ जहां बच्चों में ब्रोंकाइटिस जैसे श्वास संबंधी रोग होते हैं, तो दूसरी तरफ दिमागी रोग भी बढ़ रहे हैं। प्रदूषण के नकारात्मक दूरगामी परिणाम भी होते हैं। यह बच्चों के सीखने की क्षमता पर भी असर डाल सकता है। अगर आंकड़ों की बात करें तो औसत आयु में भी 9.4 फीसद की गिरावट आई है। लोगों के फेफड़े कमजोर हुए हैं। बुजुर्गों की सेहत पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

सार समाचार

असम में दो लड़कियों के बलात्कार और हत्या के संबंध में अब तक सात गिरफ्तार

कोकराझार। असम के कोकराझार जिले में कथित तौर पर दो लड़कियों के कथित बलात्कार और हत्या की घटना के संबंध में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राभा समुदाय की 14 और 16 वर्ष की दो लड़कियों के शव शनिवार को पेड़ से लटके पाए गए थे। पुलिस ने बताया कि घटना के संबंध में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है और आगे की जांच जारी है। विशेष डीजीपी एल आर बिश्नोई द्वारा गठित विशेष जांच दल मामले की जांच कर रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत विश्व सरमा रविवार को पीड़ित परिवार से मिलने गए थे। उन्होंने ट्वीट किया, फ्कदो अल्पसंख्यक जनजातीय लड़कियों के बलात्कार और हत्या का मामला सुलझ गया हैज दोषियों की पहचान कर ली गई है इसलिए संतुष्टि महसूस कर रहा हूं।

कर्ज में डूबी तेलंगाना सरकार ने अफसरों के लिए खरीदी 25-25 लाख की गाड़ियां, विपक्ष ने की आलोचना

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संकट के बीच एक ओर जहां राज्यों के पास पैसे नहीं है। वहीं, तेलंगाना सरकार ने आईएएस अधिकारियों को लग्जरी गाड़ियां खरीद कर दी है। इसके बाद से तेलंगाना सरकार की जमकर आलोचना हो रही है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की तरफ से 32 अतिरिक्त जिला कलेक्टर के लिए 32 किया कार्निवल गाड़ियां खरीदी गई है। एक कार की अनुमानित कीमत 25 से 30 लाख रुपए के बीच है। यह गाड़ियां ऐसे समय में खरीदी गई हैं जब राज्य महामारी से गुजर रहा है। तेलंगाना लगभग 40000 करोड़ रुपए के कर्ज में डूबा हुआ है। जाहिर सी बात है ऐसे में राज्य सरकार विपक्ष के निशाने पर जरूर आएगा।

विपक्ष का आरोप है कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं की हालत बेहद खराब है। इसके अलावा राज्य में कोरोना वायरस और लॉकडाउन की वजह से राजस्व में कमी आई है। बावजूद उसके इस तरह के लग्जरी गाड़ियों को खरीदा गया। विपक्षी नेताओं ने कहा कि कोरोना संक्रमण के दौरान इन पैसे का इस्तेमाल मरीजों को बेड उपलब्ध कराने के लिए होना चाहिए था। गरीबों के इलाज के लिए होना चाहिए था। विपक्ष ने इसे मुख्यमंत्री का गैर जिम्मेदाराना कदम बताया है।

अमरिंदर सिंह के घर के बाहर भारी विरोध प्रदर्शन, पुलिस ने सुखबीर सिंह बादल को हिरासत में लिया

जलंधर। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के आवास के बाहर शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कोरोना नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई। दरअसल, अगले साल प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। जिसकी वजह से प्रदेश में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। बता दें कि सिसवान में मुख्यमंत्री के आवास के बाहर जमकर नारेबाजी हुई। इसी बीच शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल को हिरासत में ले लिया गया। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब सरकार पर वैक्सीन घोटाले का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वैक्सीन में घोटाला, स्कॉलरशिप में घोटाला लगभग हर चीज़ में ये सरकार घोटाला कर रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री आवास के बाहर हुए विरोध प्रदर्शन में शिअद के साथ बसपा के कार्यकर्ता भी मौजूद थे। हालही में दोनों दलों के बीच आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर गठबंधन हुआ है। जहां पिछले चुनावों में शिअद का भाजपा के साथ गठबंधन था वह किसानों के मुद्दों की वजह से टूट गया और अब शिअद ने दलित वोटों को साधने के लिए बसपा से हाथ मिलाया है।

वाइको का तमिलनाडु सरकार से 55 साल से ज्यादा आयु के श्रमिकों पर प्रतिबंध हटाने का अनुरोध

चेन्नई। एमडीएमके नेता वाइको ने तमिलनाडु सरकार से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) योजना से 55 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों पर से प्रतिबंध हटाने का अनुरोध किया है। वाइको ने एक बयान में कहा कि मनरेगा योजना से श्रमिकों को बाहर करने का सरकार का आदेश पूरी तरह से अनुचित है और इसे तुरंत रद्द किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि 55 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग के तत्कालीन आयुक्त केएस पलानीसामी द्वारा 20 अप्रैल को जारी किया गया था, जब कोविड के मामले बढ़ रहे थे। एमडीएमके नेता ने कहा कि यह योजना बड़ी संख्या में ग्रामीण लोगों के लिए एकमात्र सांत्वना है जिसमें निराश्रित, विधवा और बुजुर्ग नागरिक शामिल हैं, जो दिन-प्रतिदिन के जीवन के लिए संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना से कामगारों को प्रतिबंधित करने से ऐसी स्थिति पैदा होगी, जिसमें भुखमरी से होने वाली मौतों की संख्या कोविड की मृत्यु से अधिक होगी। विधायक ने कहा कि सरकार को इस आदेश को रद्द करना चाहिए जिससे सभी वृद्ध लोग योजना का फायदा उठा सकें। एमडीएमके प्रमुख ने कहा कि कोविड -19 मामलों की संख्या में गिरावट के साथ, यह उच्च समय है कि आदेश को रद्द कर दिया जाए और 55 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को शामिल किया जाए।

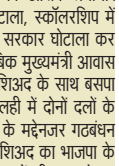

सांसद के तौर पर अखिलेश की तुलना में योगी का बेहतर रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के विपरीत, वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब सांसद थे, तो वे काफी सक्रिय थे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रति सहानुभूति रखने वाले लेखक एवं नीति विश्लेषक शांतनु गुप्ता के शोध के अनुसार, उदाहरण के तौर पर 2014-2017 (16वीं लोकसभा) को देखें तो पाएंगे कि इस दौरान, आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय औसत 50.6 के मुकाबले 57 बहसों में भाग लिया था।

गुप्ता ने कहा कि उस दौरान योगी ने 199 के राष्ट्रीय औसत के मुकाबले 306 सवाल पूछे और उस अवधि के दौरान 1.5 के राष्ट्रीय औसत के मुकाबले तीन प्राइवेट मेंबर बिल पेश किए। उपस्थिति, पूछे गए सवाल, बहस और निजी सदस्य विधेयक के चारों मामलों में अखिलेश यादव का संसद में प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। गुप्ता ने कहा कि वह न तो राज्य में जमीनी स्तर पर दिखते हैं और न ही संसद में मौजूद हैं।

इसके विपरीत, कोविड की दूसरी लहर के दौरान, आदित्यनाथ, कोविड-19 से ठीक होने के बाद, ग्राउंड जीरो पर दिखने लगे थे। आदित्यनाथ ने दो सप्ताह के भीतर कई जिलों की निगरानी की। अपने दौरे के दौरान वह अखिलेश यादव के गृह नगर सैफई (इटावा) और अखिलेश के लोकसभा क्षेत्र आजमगढ़ भी गए।

गुप्ता ने कहा, इसी अवधि के दौरान अखिलेश ने खुद को लखनऊ में अपने महलनुमा घर में बंद कर लिया और खुद को केवल ट्वीट करने तक सीमित कर लिया। मुलायम सिंह यादव के बेटे अखिलेश यादव को लग्जरी कारों, महंगी साइकिलों और विदेश में छुट्टियां मनाने का काफी शौक है। गुप्ता के अनुसार, संसद में 36 प्रतिशत उपस्थिति और शून्य प्रश्नों के साथ, अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश से सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले सांसद हैं।

उत्तर प्रदेश के सांसदों में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की उपस्थिति सबसे कम है। इस अवधि में 44 प्रतिशत उपस्थिति के साथ सोनिया गांधी का राज्य के सांसदों के बीच दूसरा सबसे खराब उपस्थिति रिकॉर्ड है। उत्तर प्रदेश के सांसदों ने राष्ट्रीय औसत 21.2 के मुकाबले औसतन 25.4 बहसों में भाग लिया। अखिलेश यादव ने केवल चार वाद-विवाद (डिबेट) में भाग लिया। वहीं इस मामले में सोनिया गांधी का रिकॉर्ड और भी खराब है और उन्होंने केवल एक बार ही डिबेट में हिस्सा लिया।

उल्लेखनीय है कि भाजपा के पुष्पेंद्र सिंह चंदेल ने 510 बहसों में और बसपा के मलूक नागर ने 139 बहसों में भाग लिया, जो राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक है। उत्तर प्रदेश के सांसदों ने औसतन 0.3 निजी सदस्य बिल पेश किए जो राष्ट्रीय औसत के बराबर है। अखिलेश यादव और सोनिया गांधी ने संसद में कोई निजी सदस्य बिल पेश नहीं किया। उत्तर प्रदेश के केवल 9 सांसदों ने संसद में निजी सदस्य विधेयक पेश किए और ये सभी 9 सांसद भाजपा के हैं। उल्लेखनीय है कि भाजपा के पुष्पेंद्र सिंह चंदेल, अजय मिश्रा टेनी और रवींद्र श्यामनारायण ने इस अवधि में चार-चार निजी सदस्य बिल पेश किए, जो राष्ट्रीय औसत से काफी ऊपर है।

आचार्य प्रमोद कृष्णम की कांग्रेस को सलाह, जीत के लिए हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की राह पर चले पार्टी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस के आचार्य प्रमोद कृष्णम आजकल सुर्खियों में हैं। हालांकि टेलीविजन पर वह लगातार पार्टी का पक्ष रखते दिखाई देते रहते हैं। साथ ही साथ अपना एक क्लियर स्टैंड भी रखा हुआ है। 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्हें लखनऊ से राजनाथ सिंह के खिलाफ पार्टी ने उम्मीदवार बनाया था। एक वक्त अचार्य प्रमोद कृष्णम प्रियंका गांधी की एडवाइजरी कमेटी के सदस्य हुआ करते थे। हालांकि वह पार्टी को लेकर फिलहाल अपनी अलग राय रख रहे हैं जिसकी वजह से उनकी आलोचना भी हो रही है तो कुछ लोग उनकी वाहवाही भी कर रहे हैं।

दरअसल आचार्य प्रमोद कृष्णम साफगोई से यह बात लगातार स्वीकार कर रहे हैं कि भाजपा जिस पिच पर खेल रही है, अगर उस पिच पर खेलने के लिए कांग्रेस तैयार नहीं हुई तो एक बार फिर से 2024 में नरेंद्र मोदी को सत्ता में आने से कोई नहीं रोक सकता है। भाजपा हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के मुद्दे को बढ़ चढ़कर उठाती है और इसका चुनावी लाभ लेने की भी कोशिश करती है। आचार्य प्रमोद कृष्णम का कहना है कि पार्टी को ऐसे चेहरे को आगे करना होगा जिसे देश के विभिन्न क्षेत्रों में फैले हिंदू समुदाय स्वीकार कर सकें। हालांकि कांग्रेस में कई नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम के इस दावे से सहमत नहीं हैं। कुछ नेताओं का यह भी कहना है कि कांग्रेस गांधीवादी-नेहरू वादी विचारधारा के अनुरूप चलती है। ऐसे में किसी धर्म को आगे कर कर राजनीति करना नहीं चाहिए।

आचार्य प्रमोद कृष्णम का दूसरा तर्क यह है कि उत्तर प्रदेश में किसी ब्राह्मण को सीएम पद का उम्मीदवार बनाया जाना चाहिए। हालांकि कांग्रेस के कुछ नेता इससे प्रमोद कृष्णम की महत्वाकांक्षा बता रहे हैं ताकि उन्हें उम्मीदवार बनाया जा सके। दूसरी तरफ कुछ कांग्रेसी नेता प्रमोद कृष्णम के पक्ष में गोलबंदी करने में जुटे हैं। हालांकि कुछ नेताओं का यह भी दावा है कि उत्तर प्रदेश के ब्राह्मण खुद आचार्य प्रमोद कृष्णम को ब्राह्मण नहीं मानते।

कर्नाटक में नेतृत्व के मुद्दे पर प्रदेश भाजपा में कोई भ्रम नहीं: येदियुरप्पा

बेंगलुरु। खुद को पद से हटाये जाने संबंधी अटकलों के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश भाजपा में नेतृत्व के मुद्दे पर कोई भ्रम नहीं है और पार्टी एकजुट है। उन्होंने कहा कि एक या दो विधायक या नेता नाखुश हो सकते हैं और पार्टी उनसे बातचीत करेगी। उनका यह बयान कर्नाटक के पार्टी मामलों के प्रभारी तथा भाजपा महासचिव अरुण सिंह की राज्य की तीन दिवसीय यात्रा से एक दिन पहले आया है। येदियुरप्पा ने कहा, '' अरुण सिंह कर्नाटक के प्रभारी हैं और वह राज्य में आ रहे हैं एवं सभी विधायकों एवं सांसदों से बातचीत करेंगे। कहीं कोई भ्रम नहीं है और उन्होंने कहा है कि कोई भी उनसे मिल सकता है। वह विस्तार से जानकारियां जुटाएंगे .. वह अगले दो-तीन रहेंगे। मैं भी उनके साथ रहूंगा और सभी जरूरी सहयोग दूंगा। '' मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि चाहे नेतृत्व परिवर्तन का मुद्दा हो या कोई अन्य मसला, पार्टी में कहीं कोई भ्रम नहीं है। उन्होंने कहा, '' कहीं कोई भ्रम नहीं है, हम सभी एकजुट हैं। एक या दो (विधायक या नेता) शायद नाखुश हों, हम उन्हें बुलायेंगे और उनके साथ बातचीत करेंगे।'' बुधवार से शुरू हो रही तीन दिवसीय यात्रा के दौरान सिंह का कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों के साथ बैठक करने का कार्यक्रम है। वह प्रदेश भाजपा की कोर समिति की बैठक में भी शामिल हो सकते हैं। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर सिंह ने हाल ही में कहा था कि येदियुरप्पा शीर्ष पद पर बने रहेंगे। पिछले कुछ समय से ये अटकलें लगायी जा रही हैं कि सत्तारूढ़ भाजपा का एक खेमा येदियुरप्पा को उनके पद से हटाने के लिए दबाव बना रहा है।

संभावित कैबिनेट फेरबदल से पहले मोदी और उनके मंत्रियों की 4 दिनों में 2 बार बैठकें हुईं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्रिमंडल के विस्तार या केंद्र में फेरबदल पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन इस संबंध में अटकलें जरूर लगाई जा रही हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार दिनों के अंतराल में पार्टी के शीर्ष अधिकारियों और मंत्रियों के दो अलग-अलग समूहों के साथ लगातार दो बैठकें की हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में कुछ लोगों ने नाम न छापने का अनुरोध करते हुए उल्लेख किया कि पीएम की अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ बैठकें नियमित मामलों से ज्यादा कुछ नहीं हैं। उनके अनुसार, ये बैठकें केवल यह जानने के लिए आयोजित की गई थी कि उनके मंत्रालयों में क्या चल रहा है और कोविड-19 संकट के बीच भविष्य की विकास योजना क्या है।

एक सूत्र ने बताया कि माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री ने पिछले दो वर्षों में सरकार द्वारा किए गए कार्यों का जायजा लिया और कई अन्य मुद्दों पर चर्चा की। दोनों विचार-मंथन सत्र - एक पिछले सप्ताह शुक्रवार को और दूसरा सोमवार को - प्रधानमंत्री के 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर आयोजित किया गया।

सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री के साथ कैबिनेट मंत्रियों की दोनों बातचीत करीब पांच घंटे तक चली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, भाजपा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा और भगवा पार्टी के प्रभारी महासचिव बी. एल. संतोष ने सरकार के कामकाज में आवश्यक सुधारों और सरकार एवं संगठन के बीच तालमेल कैसे हासिल किया जाए, इस पर सुझाव लेने के लिए नवीनतम सत्र में मोदी से मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री सदानंद गौड़ा, वी. के. सिंह और वी. मुरलीधरन उन अन्य नेताओं में शामिल रहे, जो कथित तौर पर विचार-विमर्श में शामिल हुए थे। शुक्रवार की बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद, जितेंद्र सिंह, भाजपा अध्यक्ष नड्डा और संतोष शामिल थे।

हालांकि पार्टी ने कहा है कि इस तरह की बैठकें एक नियमित मामला है और अब केवल इसलिए इस पर इतना ध्यान आकर्षित हो रहा है, क्योंकि शारीरिक बैठकें (फिजिकल मीटिंग्स) लंबे अंतराल के बाद हो रही हैं। दरअसल कोविड महामारी के प्रकोप के कारण पिछले लंबे समय से बैठकें वर्चुअल यानी ऑनलाइन ही आयोजत की जा रही थी। वहीं राजनीतिक पर्यवेक्षकों और पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि यह संभावित मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल से पहले की कवायद हो सकती है, लेकिन अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

बसपा से कांग्रेस में आए विधायकों ने पायलट खेमे पर साधा निशाना,बोले- सरकार का साथ देने वालों को मिले इनाम

जयपुर। (एजेंसी)।

राजस्थान में मंत्रिमंडल विस्तार और राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर जारी बयानबाजी के बीच बसपा से कांग्रेस में आए विधायकों ने मंगलवार को पायलट खेमे पर निशाना साधा और कहा कि पार्टी आलाकमान को किसी दबाव में न आकर उन लोगों को इनाम देना चाहिए जो संकट के समय सरकार के साथ खड़े रहे। कई दिनों से जयपुर में डेरा डाले इन विधायकों ने मंगलवार को यहां संवाददाता सम्मेलन किया। इसमें तिजारा से विधायक संदीप यादव ने पायलट खेमे पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने बगावत की वे अब दबाव बना रहे हैं जबकि सरकार तो हमने बचाई थी।

यादव ने कहा, 'जिन लोगों ने पार्टी के साथ गद्दारी की, जिन लोगों ने सरकार को अस्थिर किया वे लोग अब हाइकमान पर दबाव बना रहे हैं। उनके हिसाब से यह सरकार गिर गई होती, अगर हम 10 निर्दलीय और छह लोग नहीं होते। 19 लोगों के जाने के बाद तो सरकार का बहुमत खत्म हो गया था।' उल्लेखनीय है कि तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट व उनके समर्थक 18 विधायकों ने पिछले साल जून- जुलाई में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व से नाराजगी जताते हुए बगावती रुख अपनाया था। हालांकि पार्टी आलाकमान के हस्तक्षेप के बाद वे वापस लौट आए थे। पायलट व उनके समर्थक विधायक कई बार पार्टी को सत्ता में लाने वाले कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान देने की मांग कर चुके हैं।

उल्लेखनीय है कि लाखन सिंह, राजेन्द्र गुढ़ा, संदीप यादव, वाजिब अली, दीपचंद खेरिया, जोगेन्द्र अवाना ने 2018 में विधानसभा चुनाव बसपा उम्मीदवार के रूप में जीता था और सितम्बर 2019 में बसपा के सभी विधायक कांग्रेस में शामिल हो गये थे। संवाददाता सम्मेलन में विधायक अवाना, गुढ़ा व लाखन सिंह ने भी कहा कि उस दौरान राज्य की गहलोत सरकार गिरने के कगार पर आ गई थी। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार के बारे में कोई भी फैसला पार्टी आलाकमान व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को करना है, लेकिन यह फैसला उन लोगों के पक्ष में होना चाहिए जो संकट के

गलवान की घटना को लेकर अब तक स्पष्टता नहीं, अपने कदमों को लेकर देश को भरोसा दिलाए सरकार: सोनिया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गलवान घाटी में चीन के सैनिकों के साथ झड़प में 20 भारतीय जवानों की शहादत की पहली बरसी पर मंगलवार को कहा कि एक वर्ष का समय गुजरने के बाद भी इस घटना से जुड़े हालात को लेकर स्पष्टता नहीं है तथा सरकार देश को विश्वास में ले और यह सुनिश्चित करे कि उसके कदम देश के जवानों की प्रतिबद्धता के अनुकूल रहे हैं। सोनिया ने जवानों के बलिदान को याद किया और यह दावा किया कि सैनिकों के पीछे हटने का जो समझौता चीन के साथ हुआ है उससे भारत का नुकसान दिखाई पड़ता है। उन्होंने एक बयान में कहा, ''14-15 जून, 2020 की रात को चीन की पीएलए के साथ हुई झड़प को एक साल पूरा हो गया है। इसमें बिहार रेजीमेंट के हमारे 20 जवानों की जान चली गई थी। कांग्रेस हमारे जवानों के सर्वोच्च बलिदान को याद करने में राष्ट्र के साथ शामिल है।'' उनके मुताबिक, इसका बहुत ही धैर्य का साथ इंतजार किया गया कि सरकार सामने आएगी और देश को उन हालात के बारे में सूचित करेगी जिनमें यह अप्रत्याशित घटना घटी तथा वह लोगों को विश्वास दिलाएगी की हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। सोनिया ने कहा, ''अब कांग्रेस पार्टी अपनी इस चिंता को फिर से प्रकट करती है कि अब तक कोई स्पष्टता नहीं है और इस विषय पर प्रधानमंत्री का आखिरी वक्तव्य पिछले साल आया था कि कोई घुसपैठ नहीं हुई।''

उन्होंने यह भी कहा, ''हमने प्रधानमंत्री के बयान के संदर्भ में बार बार ब्यौरा मांगा और अप्रैल, 2020 से पूर्व की यथास्थिति बहाल करने की दिशा में हुई प्रगति का विवरण भी मांगा। चीन के साथ सेनाओं को पीछे हटाने का जो समझौता हुआ है, उससे लगता है कि यह अब तक भारत के लिए पूरी तरह नुकसानदेह रहा है।'' सोनिया ने कहा, ''कांग्रेस पार्टी आग्रह करती है कि सरकार देश को विश्वास में ले और यह सुनिश्चित करे कि उसके कदम हमारे उन जवानों की प्रतिबद्धता के अनुकूल हैं जो मुस्तैदी के साथ हमारी सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं।'' गौरतलब है कि पिछले साल 14-15 जून की दरम्यानी रात पीएलए के सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में 20 जवान शहीद हो गए। बाद में कई खबरों के माध्यम से यह जानकारी सामने आई कि इस झड़प में चीन के भी कई सैनिक मारे गए।

अब गंगा में नहीं गिरेगा अस्सी नाले का गंदा पानी, एसटीपी के कार्यों का निरीक्षण और नगवा पंपिंग स्टेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने सोमवार को अस्सी नाले का मलजल रमना एसटीपी को भेजेने वाले नगवा पंपिंग स्टेशन का निरीक्षण किया। इसमें बड़ी खामी सामने आई। यहां नाले को टैप करने के लिए रिटेनिंग वाल ही नहीं बनाई गई थी। डीएम ने मौके पर उपस्थित एस्सेल इंफ्रा कंपनी के इंजीनियर को चेतावनी दी। कहा कि पंद्रह दिन के अंदर इस कार्य को पूरा कराएं। इस कार्य के पूर्ण होने पर अस्सी नाला का गंदा पानी गंगा में नहीं गिरेगा। इससे वाराणसी में गंगा निर्मलीकरण को बल मिलेगा। जिलाधिकारी सामने घाट स्थित सीवर नालों की टैपिंग भी देखने पहुंचे। सीवर के पानी को गंगा में गिरने से रोकने के लिए यहां नाला कनेक्ट कर डायवर्जन कार्य चल रहा है। कार्य में देरी व लापरवाही पर डीएम ने गंगा प्रदूषण के अवर अभियंता को फटकार लगायी। सीवर गंगा में गिरने से जल्द से जल्द रोकने का निर्देश दिया। कहा कि गंगा के पानी में गिरने वाले शहर के कुछ बचे नालों की भी टैपिंग की जा रही है। जून तक इसे पूर्ण करा लिया जाएगा।

सामानांतर जल प्रवाह से गंगा के स्वरूप में नहीं होगा परिवर्तन

जिलाधिकारी ने गंगा उस पार बन रही नहर को लेकर स्थिति स्पष्ट की। कहा कि इससे गंगा के स्वरूप में कोई परिवर्तन नहीं होगा। विशेषज्ञों की राय पर इस कार्य को मूर्त रूप दिया जा रहा है। अस्सी घाट पर निरीक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि गंगा के प्रवाह के कारण घाट खोखले हो रहे हैं। घाटों का क्षरण हो रहा है, इसे रोकने के लिए समानांतर एक अन्य जल प्रवाह मार्ग विकसित किया जा रहा है। बताया कि सिंचाई विभाग की तकनीकी विशेषज्ञों के परीक्षण के पश्चात् यह प्रोजेक्ट बनाया गया। इससे गंगा के स्वरूप में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

सार समाचार

चीन में गैस विस्फोट की घटना में 25 लोगों की मौत, मामले की जांच शुरू

बीजिंग। मध्य चीन के एक बाजार में गैस पाइपलाइन में हुए एक शक्तिशाली विस्फोट में मरने वालों की संख्या 25 हो गई है तथा इस मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है। यह विस्फोट रविवार सुबह हुबेई प्रांत के शियान शहर के बाजार में हुआ, उस वक्त लोग वहां खरीदारी कर रहे थे। बचावकर्ताओं को ईंटों तथा कंक्रीट के मलबे के नीचे दबे लोगों को निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।

स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में घटना की जांच के लिए जांच दल बनाने की घोषणा की थी। विस्फोट 1990 के दशक की शुरुआत में बनी दो मंजिला इमारत में हुआ जिसमें फार्मेसी, रेस्तरां और अन्य व्यवसाय थे। विस्फोट स्थल से 900 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। सरकारी मीडिया के अनुसार चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए एक व्यापक जांच का आदेश दिया। यह विस्फोट 2013 में क्विंगदाओ गैस लीक के कारण हुए विस्फोट की तरह ही था जिसमें 55 लोग मारे गए थे।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने व्लादिमीर पुतिन को क्यों कहा- 'काबिल विरोधी'

ब्रसेल्स। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रूस के अपने समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ बुधवार को होने वाली बैठक से पहले उन्हें एक ''काबिल विरोधी'' बताया है, हालांकि बाइडन ने बैठक की सफलता को लेकर कोई पूर्वानुमान नहीं जताया। सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में आगामी बैठक के बारे में बाइडन से पूछा गया कि वह पुतिन के साथ बैठक से क्या कुछ हासिल करने की आशा रखते हैं। इस पर उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि वे कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे, ''जिन क्षेत्रों में हम सहयोग कर सकते हैं उन पर भी चर्चा होगी।'' उन्होंने आगाह किया कि अगर रूस ने साइबर सुरक्षा जैसे विषयों पर सहयोग से इनकार किया तो ''अमेरिका इसका जवाब देगा।'' बाइडन ने कहा कि पुतिन ''प्रभावशाली और सख्त मिजाज के'' नेता हैं। हालांकि उन्होंने उम्मीद जतायी कि रूस के राष्ट्रपति ''स्वयं के प्रति दुनिया के नजरिये को बदलने'' में दिलचस्पी लेंगे।

लीबिया के तट से 2,000 से अधिक अवैध प्रवासियों को बचाया गया

त्रिपोली। प्रवासन के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन (आईओएम) ने कहा कि 2,000 से अधिक अवैध प्रवासियों को लीबिया के तट से बचाया गया और पिछले सप्ताह वे सभी देश लौट आए है। आईओएम ने सोमवार को एक बयान में कहा कि 6 से 12 जून की अवधि में, 2,083 प्रवासियों को बचाया गया साथ ही समुद्र में रोका गया और अब वे लीबिया लौट आए है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में बताया गया है कि संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के अनुसार, इस साल अब तक महिलाओं और बच्चों सहित कुल 12,794 अवैध प्रवासियों को बचाया गया है। इस बीच, उनमें से 190 की मौत हो गई और 487 मध्य भूमध्यसागरीय मार्ग पर लीबिया के तट से लापता हो गए। 2011 में दिवंगत नेता मुअम्मर गद्दाफी के पतन के बाद से लीबिया असुरक्षा और अराजकता से ग्रस्त है, जिससे यह अवैध अप्रवासियों के लिए प्रस्थान का एक पसंदीदा बिंदु बन गया है। आईओएम विस्थापन ट्रैकिंग मैट्रिक्स ने लीबिया में 348,372 आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों की पहचान की और उनका पता लगाया।

यूरोपीय संघ ने 30 करोड़ से ज्यादा कोविड टीकों का प्रबंधन किया

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) ने कोविड टीकों की 30 करोड़ से अधिक खुराक दी है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने ट्वीट किया, हम यूरोपीय संघ में 30 करोड़ टीकाकरण कर चुके हैं। हर दिन, हम अपने लक्ष्य के करीब पहुंच रहे हैं। अगले महीने यूरोपीय संघ में 70 प्रतिशत वयस्कों को टीका लगाने के लिए पर्याप्त खुराक देना है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार तक, यूरोपीय संघ के 53.3 प्रतिशत वयस्कों को कम से कम एक खुराक मिली थी और 353 मिलियन खुराक 27-राज्य ब्लॉक में पहुंचाई गई थी। यूरोपीय आयोग के उप मुख्य प्रवक्ता डाना स्पिनेंट ने सोमवार को कहा, अब तक, यूरोपीय संघ में लगभग एक तिहाई वयस्कों को पूरी तरह से टीका लगाया गया है। यूरोपीय संघ की वैक्सीन रणनीति हर तरह के टीकों के पोर्टफोलियो पर आधारित है। अब तक, यूरोपीय मेडिसिन एजेंसी द्वारा पांच टीकों को सशर्त विपणन प्राधिकरण प्रदान किया गया है।

अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद कैसे होगी काबुल की सुरक्षा? तुर्की ने यूएस से मांगा सहयोग

ब्रसेल्स। तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने कहा है कि नाटो सैनिकों की वापसी के बाद अगर उसे काबुल के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की रक्षा और संचालन के लिए अफगानिस्तान में अपने सैनिकों को रखना पड़ा,तो उनके देश को अमेरिका से ''राजनयिक, साजो सामान संबंधी और आर्थिक सहयोग चाहिए होगा।'' उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के नेताओं के साथ बैठकों के बाद सोमवार को एर्दोआन ने कहा कि अमेरिका नीत नाटो बल के वापस जाने के बाद तुर्की अफगानिस्तान में नए मिशन के लिए पाकिस्तान और हंगरी से बात कर रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि तुर्की ने हवाई अड्डे पर सुरक्षा मुहैया कराने की पेशकश की है, क्योंकि प्रश्न उठ रहे हैं कि प्रमुख परिवहन मार्गों और हवाई अड्डे पर सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाएगी।

नए एजेंडे के साथ समाप्त हुआ नाटो शिखर सम्मेलन

ब्रसेल्स। (एजेंसी)।

नाटो शिखर सम्मेलन का समापन 30 सदस्यीय गठबंधन के नेताओं के भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए एक नए एजेंडे पर सहमत होने के साथ हो गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अपने पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रम्प ने इस सैन्य गठबंधन को अप्रचलित कहा था। उसके चार साल के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन के लिए ये शिखर सम्मेलन पहला था। पदभार ग्रहण करने के बाद से यह सभा बिडेन की पहली विदेश यात्रा का हिस्सा थी, क्योंकि उनका उद्देश्य ट्रम्प युग के बाद ट्रान्साटलांटिक संबंधों का पुनर्निर्माण करना था। वह 11 से 13 जून तक ब्रिटेन में जी 7 शिखर सम्मेलन में शामिल हुए जहां उन्होंने बार बार यही संदेश दिया अमेरिका वापस आ गया है।

शिखर सम्मेलन के समापन के बाद सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि नेता नाटो 2030 एजेंडे पर सहमत हुए, यह सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक पहल है। कल की चुनौतियों का सामना करने के लिए गठबंधन आज भी तैयार है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि एजेंडा के अनुसार, नाटो राजनीतिक परामर्श और समाज के लचीलेपन को मजबूत करेगा, रक्षा और निरोध को मजबूत करेगा, तकनीकी बढ़त को तेज करेगा और 2022 में शिखर सम्मेलन के लिए अपनी अगली रणनीतिक अवधारणा विकसित करेगा। नेताओं ने नवीनतम परिचालन डोमेन साइबर और अंतरिक्ष पर भी निर्णय लिए। ब्लॉक एक नई साइबर रक्षा नीति पर सहमत हुआ, जो यह मानता है कि साइबरस्पेस हर समय संघर्ष करता है और यह सुनिश्चित करता है कि ब्लॉक के पास हमारे सिस्टम को सुरक्षित रखने के लिए मजबूत तकनीकी क्षमता, राजनीतिक परामर्श और सैन्य योजना है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि रूस के संदर्भ में, नाटो नेताओं ने कहा कि वे राजनीतिक वार्ता के लिए तैयार हैं, लेकिन कथित तौर पर पेश की गई चुनौतियों के बारे में स्पष्ट नजर रखते हैं। साथ ही पहली बार नाटो ने चीन को अपने एजेंडे के केंद्र में रखा। बीबीसी की रिपोर्ट में बताया गया है कि विज्ञप्ति के अनुसार, चीन की कथित महत्वाकांक्षाएं और मुखर व्यवहार नियम आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था और गठबंधन सुरक्षा से संबंधित क्षेत्रों के लिए प्रणालीगत चुनौतियां पेश करते हैं। इसमें कहा गया है कि हम चीन द्वारा लगातार पारदर्शिता की कमी और दुष्प्रचार के इस्तेमाल से चिंतित हैं। सोमवार देर रात पत्रकारों को संबोधित करते हुए, नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने कहा, हम एक नए शीत युद्ध

में प्रवेश नहीं करना चाहते है। चीन हमारा विरोधी नहीं है, और ना ही हमारा दुश्मन है। हमें गठबंधन के रूप में, उन चुनौतियों से निपटने की जरूरत है जो चीन ने हमारी सुरक्षा के लिए प्रस्तुत की हैं।

अंतरिक्ष में होने वाले हमलों के खिलाफ भी मिलकर लड़ेंगे नाटो राष्ट्र

सियोल। (एजेंसी)।

ब्रसेल्स। नाटो के सदस्य राष्ट्रों ने सोमवार को अपने सामूहिक रक्षा प्रावधान सबके लिए एक, एक के लिए सब को और व्यापक करते हुए इसमें अंतरिक्ष में होने वाले हमलों के खिलाफ भी मिलकर लड़ने का आह्वान किया। इस सैन्य संगठन के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के समझौते के अनुच्छेद पांच के मुताबिक, गठबंधन के 30 में से किसी भी सहयोगी पर हमले को सभी पर हमला माना जाएगा। अब तक यह केवल परंपरागत सैन्य हमलों जैसे जल, थल व वायु से संबंधित था लेकिन हाल ही में इसमें साइबर हमलों को भी जोड़ा गया था।

नाटो के नेताओं ने एक वक्तव्य में कहा कि वे मानते हैं कि ''अंतरिक्ष में, अंतरिक्ष से और अंतरिक्ष पर हमला'' नाटो के लिए चुनौती हो सकता है जो ''राष्ट्रीय, यूरो एटलांटिक समृद्धि, सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा हो और यह आधुनिक समाजों के लिए परंपरागत हमले की तरह ही नुकसानदायक हो सकता है।'' उन्होंने कहा, ''ऐसा हमला होने पर अनुच्छेद पांच प्रभावी हो जाएगा। हालांकि ऐसे हमले होने पर अनुच्छेद पांच के प्रभावी होने के बारे में फैसला मामले दर मामले के आधार पर नाटो द्वारा लिया जाएगा।''

पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले करीब 2000 में से आधे उपग्रहों का संचालन नाटो देशों के पास है, जो मोबाइल फोन, बैंकिंग सेवाओं से लेकर मौसम पूर्वानुमान आदि से जुड़े हैं। इनमें से कई उपग्रह ऐसे हैं जिनका इस्तेमाल सैन्य कमांडर नौवहन, संचार, खुफिया जानकारियां साझा करने तथा मिसाइल लांच का पता लगाने के लिए करते हैं। दिसंबर 2019 में नाटो के नेताओं ने भूमि, समुद्र, वायु और साइबरस्पेस के बाद अंतरिक्ष को अपने अभियानों के लिहाज से ''पांचवा क्षेत्र'' घोषित किया था। कई सदस्य देश अंतरिक्ष में चीन और रूस के आक्रामक होते बर्ताव को लेकर चिंतित हैं। करीब 80 देशों के उपग्रह हैं तथा कई निजी कंपनियां भी इस क्षेत्र में उतर रही हैं। 1980 के दशक में नाटो के संचार का एक छोटा सा हिस्सा ही उपग्रहों के जरिए होता था आज यह कम से कम 40 फीसदी है। नाटो के सामूहिक रक्षा प्रावधान को अब तक केवल एक बार, अमेरिका पर 11 सितंबर 2001 को हुए हमले के चलते प्रभावी किया गया था। तब सभी सदस्य देश अमेरिका के समर्थन में एकजुट हो गए थे। बाइडन ने सोमवार को कहा था कि अनुच्छेद पांच नाटो सहयोगियों के बीच ''एक पवित्र दायित्व'' है। उन्होंने कहा था, ''मैं पूरे यूरोप को यह बताना चाहता हूं कि अमेरिका आपके लिए खड़ा है, अमेरिका आपके लिए है।

चीन में छाया एक और संकट, कोरोना के बाद अब न्यूक्लियर पावर प्लांट में आ रही लीकेज की समस्या

हांगकांग। (एजेंसी)।

हांगकांग के निकट स्थित चीन के परमाणु संयंत्र से रेडियोधर्मी रिसाव की आशंका की रिपोर्ट के बाद संयंत्र की संयुक्त संचालक फ्रांसीसी कंपनी ने कहा है कि संयंत्र में ''कार्य प्रदर्शन संबंधी दिक्कत'' आ रही है और फिलहाल उसका संचालन सुरक्षा सीमाओं के भीतर हो रहा है। तैशान परमाणु संयंत्र संयुक्त रूप से 'चाईना गुआंगदोन न्युक्लियर पावर ग्रुप' और फ्रांस की बहुराष्ट्रीय बिजली कंपनी 'इलेक्त्रिसिते दे फ्रांस' का है। इलेक्त्रिसिते दे फ्रांस संयंत्र का संचालन करने में मदद देने वाली 'फ्रामातोम' की भी मालिक है।

फ्रामातोम ने सोमवार को एक बयान में कहा, ''गुआंगदोन प्रांत में तैशान परमाणु ऊर्जा संयंत्र के कार्य प्रदर्शन में आ रही दिक्कत का समाधान निकालने में फ्रामातोम मदद दे रही है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक संयंत्र सुरक्षा मानकों की सीमा के भीतर काम कर रहा है। हमारा दल विशेषज्ञों की मदद से स्थिति का आकलन कर रहा है और किसी भी संभावित दिक्कत के मद्देनजर समाधान भी बताएगा।'' विकिरणों के स्तर पर नजर रखने वाली हांगकांग वेधशाला के मुताबक तैशान संयंत्र से निकलने वाली विकिरणों का स्तर सोमवार को सामान्य पाया गया। सीएनएन की सोमवार की खबर के मुताबिक फ्रामोटोम ने अमेरिका के ऊर्जा विभाग को पत्र लिखकर ''विकिरण संबंधी आसन्न खतरे के प्रति'' आगाह किया था और चीन के अधिकारियों पर आरोप लगाया था कि उन्होंने संयंत्र के बाहर विकिरणों की स्वीकार्य सीमाओं को बढ़ाने का आरोप लगाया था ताकि संयंत्र को बंद नहीं करना पड़े। सीएनएन ने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि वर्तमान स्थिति में संयंत्र से सुरक्षा संबंधी कोई गंभीर खतरा उत्पन्न होता नहीं लगा रहा।

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ II से मिलकर जो बाइडेन को आई अपनी मां की याद

लंदन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के साथ अपनी मधुर भेंट के अनुभव को साझा किया और 95 वर्षीय महारानी की अपनी मां से तुलना भी की। दक्षिण पश्चिम इंग्लैंड के कॉर्नवाल में जी-7 के नेताओं के सम्मेलन के समापन के बाद रविवार बाइडन (75) और उनकी पत्नी जिल बाइडन महारानी से भेंट करने के लिए दक्षिण पूर्व इंगलैंड के बर्कशायर स्थित विंडसर कैसल गये। वह महारानी से भेंट करने वाले 13 वें अमेरिकी राष्ट्रपति बन गये हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बाद में व्हाइट हाउस के पत्रकारों से कहा, '' वह बहुत दयालु हैं। उन्होंने मुझे मेरी मां की याद दिला दी।'' बाइडन की मां कैथरीन 2010 में 92 साल की उम्र में चल बसी थीं। बाइडन का कहना है कि उनके जीवन पर उनकी मां का 'बड़ा असर' है। उनके अनुसार युवावस्था में हकलाने की समस्या से निजात पाने और 29 साल की उम्र में पहली बार सीनेट का चुनाव लड़ने के दौरान चंदा जुटाने में उनकी मां ने उनकी मदद की।

जापान: सुगा मंत्रिमंडल के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव खारिज

टोक्यो। जापान के संसद के निचले सदन ने मंगलवार को प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा के मंत्रिमंडल के खिलाफ मुख्य विपक्षी कॉन्स्टीट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ जापान (सीडीपीजे) और तीन अन्य लोगों द्वारा संयुक्त रूप से दायर किए गए अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार सत्तारूढ़ गठबंधन ने विपक्षी खेमे के अनुरोध को ठुकराने के बाद प्रस्ताव दायर किया था कि कोविड -19 महामारी और टोक्यो ओलंपिक से संबंधित मामलों पर ज्यादा बहस के लिए समय की अनुमति देने के लिए वर्तमान संसदीय सत्र के समापन को तीन महीने आगे बढ़ा दिया जाना चाहिए। इस सत्र का समापन बुधवार को होना है। इस पर विस्तार का अनुरोध तब आया जब सीडीपीजे और अन्य विपक्षी दलों ने महामारी के प्रति सरकार की प्रतिक्रिया की आलोचना करते हुए कहा कि वायरस के प्रसार को रोकने के उसकी कोशिश अपर्याप्त हैं, खासकर इसके टीकाकरण अभियान की धीमी गति के कारण।

अफगानिस्तान में पोलियो टीकाकरण टीम पर हमला, चार लोगों की मौत

काबुल। पूर्वी अफगानिस्तान में बंदूकधारियों ने पोलियो टीकाकरण टीम के सदस्यों को निशाना बनाकर गोलीबारी की जिसमें कम से चार लोगों की मौत हो गयी। अधिकारियो ने इसके बारे में बताया। जलालाबाद शहर में हुए इस हमले की फिलहाल किसी भी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है। देश के पूर्वी हिस्से में पोलियो रोधी अभियान का समन्वय कर रहे डॉ जान मोहम्मद ने बताया कि हमले में टीकाकरण टीम के चार सदस्यों की मौत हो गई जबकि कम से कम तीन सदस्य घायल हो गए। दुनिया में अफगानिस्तान और पाकिस्तान में ही पोलियो का अब तक उन्मूलन नहीं हो पाया है।

पिछले साल नाइजीरिया पोलियो मुक्त हो गया। मार्च में आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट ने कहा था कि उसने अफगानिस्तान के नानगरहार प्रांत की राजधानी जलालाबाद में पोलियो टीकाकरण टीम से जुड़ी तीन महिलाओं की हत्या कर दी है। इस्लामिक स्टेट से संबद्ध संगठन का मुख्यालय पूर्वी अफगानिस्तान में है और माना जाता है कि इधर उसके सदस्यों की संख्या बढ़ी है। अफगानिस्तान सरकार यूनिसेफ की मदद से 96 लाख बच्चों को पोलियो रोधी टीके देना चाहती है। वर्ष 2020 में अफगानिस्तान में पोलिया के 54 नए मामले आए थे। आतंकियों के खतरे के मद्देनजर पोलियो टीकाकरण टीम को सुरक्षा भी मुहैया करायी जाती है। इसके बावजूद अफगानिस्तान और पड़ोस के पाकिस्तान में आए दिन पोलियो टीम को निशाना बनाया जाता है। पिछले सप्ताह उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में पोलियो टीकाकरण टीम को सुरक्षा प्रदान करने वाले दो पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी गयी थी।

किस्तान में भरे हैं गधे ही गधे! संसद में गूंजे 'Donkey राजा' के नारे

पेशावर (एजेंसी)।

एक पुरानी कहावत है कि खुदा मेहरबान तो गधा पहलवान और इससे मिलते-जुलते एक जुमले की गूंज पूरे पाकिस्तान में सुनाई दे रही है। पाकिस्तान में बजट सत्र के दौरान विपक्षी पार्टियों ने इमरान सरकार को आड़े हाथों लेते हुए उनके खिलाफ एक ऐसा जुमला कसा जो देखते ही देखते पूरे पाकिस्तान में वायरल हो गया। अक्टूबर 2018 में पाकिस्तान के जाने माने लेखक और निर्देशक अजीज जिंदानी ने 'द डॉन्की किंग' नाम की एक एनिमेटेड फिल्म बनाई थी। विपक्ष ने ये जुमला पाकिस्तान की सबसे सफलतम फिल्मों में से एक 'द डॉन्की किंग' से लिया है। इसी फिल्म के जरिये पाकिस्तान की विपक्षी पार्टियां इमरान सरकार के काम-काज पर तंज कस रही हैं। अब इसके पीछे की कहानी

के बारे में आपको बताते हैं।

हर साल बढ़ रहे एक लाख गधे

ये महज इत्तेफाक ही है कि पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार बनने के बाद से पूरे मुल्क में गधों की तादाद में इजाफा होता नजर आ रहा है। पिछले तीन साल के कार्यकाल के दौरान हर साल गधों की तादाद में एक लाख का इजाफा हुआ है। बड़ी बात यह है कि इस दौरान पाकिस्तान में अन्य जानवरों की वृद्धि दर लगभग स्थिर रही है। आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2020-21 में गधों की संख्या बढ़कर 56 लाख से ज्यादा हो गई है। पाकिस्तान में 2020-21 के इनोनॉमिक सर्वे में बताया गया है कि देश में गधों की संख्या 55 लाख से बढ़कर 56 लाख हो गई है। इसी के साथ पाकिस्तान ने गधों की आबादी में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश होने का गौरव बरकरार रखा है। लिहाजा गधों की बढ़ती तादाद से निपटने के लिए पाकिस्तान चीन को गधे निर्यात करेगा।

चीन में पाकिस्तानी गधो की बढ़ी डिमांड

पाकिस्तान के चीन को गधों की एक्सपोर्ट करने वाली एक हैरान करने वाली बात सामने आई है। खबरों के अनुसार चीन में पाकिस्तानी गधों की भारी डिमांड है। चीन इन्हें भारी दाम देकर खरीदता भी है। एक समझौते के अनुसार, पाकिस्तान चीन को हर साल 80 हजार गधों को भेजता है। जिनका उपयोग मांस और कई अन्य काम के लिए किया जाता है।

ईरान में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ने पश्चिम के साथ बेहतर संबंधों की अपील की

तेहरान। (एजेंसी)।

ईरान के राष्ट्रपति पद के चुनाव में एक मुख्य उम्मीदवार ने सुधारवादी मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश के तहत पश्चिम के साथ बेहतर आर्थिक एवं राजनीतिक संबंध बनाने की मंगलवार को अपील की। 'सेंट्रल बैंक ऑफ ईरान' के पूर्व प्रमुख अब्दुल नासिर हिम्मती के किसी भी राजनीतिक धड़े के साथ कोई आधिकारिक संबंध नहीं है, लेकिन वह उदारवादी और सुधारवादी मतदाताओं के लिए खुद को संभावित उम्मीदवार के रूप में स्थापित कर रहे हैं। ईरान में 18 जून को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होगा और हिम्मती उन सात उम्मीदवारों में से एक हैं जिनके नामांकन को मंजूरी मिली है।

हिम्मती ने कहा, ''शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के रास्ते में अवरोधक क्यों होने चाहिए?'' उन्होंने जोर दिया कि ''वैश्विक और क्षेत्रीय शांति में सुधार'' अमेरिकी सद्भावना और इस्लामी गणराज्य के साथ ''विश्वास-निर्माण'' पर टिका है। उन्होंने विश्व शक्तियों के साथ हुए तेहरान के 2015 के परमाणु समझौते में अमेरिका से लौटने की फिर से अपील करते हुए कहा कि यदि वह राष्ट्रपति बनते हैं, तो समझौते को बहाल करना और प्रतिबंधों से राहत हासिल करना निश्चित रूप से उनकी प्राथमिकताओं में से एक होगा।

हिम्मती ने एपी को पिछले सप्ताह दिए साक्षात्कार में कहा था कि चुनाव में जीत की स्थिति में वह अमेरिका के राष्ट्रपति जो. बाइडन से मिलना चाहेंगे। विश्लेषकों का मानना है कि हिम्मती ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के पसंदीदा कट्टरपंथी न्याय प्रमुख इब्राहिम राइसी से पीछे हैं।

संपादकीय

एक और बगावत

लोक जनशक्ति पार्टी में दिख रही फूट न केवल इस पार्टी, बल्कि भारतीय राजनीति का ऐसा पहलू है, जो दुखद भी है और विचारणीय है। इस फूट को बगावत भी कहा जा सकता है और एक पार्टी का पुनर्निर्माण भी। कोई आश्चर्य की बात नहीं, अब राजनीति में जितने भी निर्माण या पुनर्निर्माण होते हैं, वे ज्यादातर सत्तामुखी ही होते हैं। बिहार में विगत विधानसभा चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी की बुरी हार के बाद विरोध के स्वर स्वाभाविक थे। अगर विधानसभा चुनाव में पार्टी को चंद सीटें भी मिल जातीं, तो पार्टी नेता चिराग पासवान के दांव को बल मिलता और पार्टी को भी। विगत लोकसभा चुनाव में पार्टी को मिली ताकत का उत्साह विधानसभा चुनाव में कुछ ज्यादा ही प्रदर्शित हुआ। चुनावी विश्लेषण करने वालों ने पहले ही बता दिया था कि लोकसभा में मिली जीत गठबंधन का नतीजा थी, जबकि विधानसभा में मिली हार गठबंधन छोड़ने का नतीजा। बाद के दिनों में यह बिल्कुल साफ हो गया कि पार्टी में बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने को लेकर एक राय नहीं थी। कुछ दिनों तक खींचतान के बाद लोक जनशक्ति पार्टी के पांच सांसदों ने चिराग पासवान से किनारा कर लिया। छह में से पांच सांसदों की बगावत पर चिराग पासवान के चाचा पारस पासवान ने साफ कर दिया है कि सभी चाहते थे, लोजपा एनडीए के साये तले बिहार विधानसभा का चुनाव लड़े, लेकिन बताते हैं, कुछ लोगों के प्रभाव में चिराग पासवान ने इसके प्रतिकूल निर्णय लिया। पूरे मन से चुनाव न लड़ने या गठबंधन छोड़कर चुनाव लड़ने का नतीजा चुनाव-परिणाम के समय तो सामने आया ही था, अब और बुरी तरह से प्रकट हुआ है। सांसदों की बगावत से सहमे चिराग अब समझौते के लिए तैयार दिख रहे हैं, लेकिन उनके चाचा मौका नहीं दे रहे। पार्टी या परिवार में अविश्वास इस कदर बढ़ गया है कि चाचा अपने भतीजे से मिलने को भी तैयार नहीं। संकेत साफ है, पार्टी में बगावत का पानी सिर के ऊपर से बह रहा है। इसमें कौन डूबेगा, कौन बचेगा, अभी कहना मुश्किल है, लेकिन राजनीति में तात्कालिक रूप से वही मजबूत नजर आता है, जिसके पास ज्यादातर संख्या बल होता है। अभी तो पारस पासवान मजबूत दिख रहे हैं, तो क्या बिहार की राजनीति में दिग्गज रहे रामविलास पासवान की विरासत उनके बेटे के बजाय भाई के पास चली जाएगी? भारतीय राजनीति में नैतिकता के पैमाने पर सोचें, तो कोई भी राजनीति में परिवारवाद को खारिज ही करेगा, लेकिन वास्तव में परिवारवाद भारतीय राजनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू है, उसे नकारा नहीं जा सकता। जहां तक आम सजग भारतीयों की बात है, उन्हें हमेशा युवाओं और अच्छे नेताओं की तलाश रही है। कोई भी राजनीतिक निर्माण या पुनर्निर्माण केवल जनाधार या जनहित के आधार पर ही होना चाहिए। अच्छा नेता या नेतृत्व वही होता है, जो जनमानस को समझते हुए अनुकूल निर्णय लेता है। भारत में जो भी पार्टियां हैं, उन्हें न केवल अपनी मजबूती, बल्कि प्रदेश-देश की राजनीति की मजबूती के बारे में भी सोचना चाहिए। राजनीति का साफ-सुथरा और आदर्श होना जरूरी है। जो भी दल सक्रिय हों, वे जनसेवा को समर्पित हों। साथ ही, इन दलों को अपने-अपने गठबंधन या मोर्चे या अपने राजनीतिक आधार का भी सही और तार्किक पता होना चाहिए।

'आज के ट्वीट सम्मानित

पश्चिम बंगाल के रहने वाले सुजीत चट्टोपाध्याय आज भी महँगाई के इस दौर में वो सालाना 1 रूपये प्रति छात्र फीस लेते हैं। उनके इस सराहनीय कार्य के लिए उन्हें भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया है।

-- डॉ. विवेक बिन्द्रा

आहार: मनुष्य जीवन का आधार

हृदयनारायण दीक्षित

आहार का अर्थ सामान्यतया भोजन होता है लेकिन इन्द्रिय द्वारों से हमारे भीतर जाने वाले सभी प्रवाह आहार हैं। आहार व्यापक धारणा है। मनुष्य में पांच इन्द्रियां हैं। आंख से देखे गए विषय हमारे भीतर जाते हैं और संवेदन जगाते हैं। इसलिए दृश्य भी हमारे आहार हैं। कान से सुने गए शब्द और सारी ध्वनियां भी आहार हैं। संगीत आनंदित करता है और गीत भी। अपशब्द गाली, सुभाषित या संगीत पदार्थ नहीं होते। तो भी वे हमारे भीतर रासायनिक परिवर्तन लाते हैं। ध्वनियां भी हमारा आहार हैं। हम नाक से सूंघते हैं। सुगंध या दुर्गन्ध भीतर जाती है। हम प्रसन्न/अप्रसन्न होते हैं, हमारा मन बदलता है। गंध भी आहार है। स्पर्श भी आहार है। प्रियजन का स्पर्श भी संवेदन जगाता है। हम प्रिय पशु कुत्ता, बिल्ली को सहलाते हैं, वह प्रसन्न होता है। हम प्रसन्न होते हैं। स्पर्श भी आहार है। अन्न भोजन भी आहार है। छान्दोग्य उपनिषद् में आहार विषयक मंत्र है, 'आहारशुद्धौ सत्वशुद्धि। सत्वशुद्धौ ध्रुवा स्मृतिः। स्मृति लाभे सर्व ग्रन्थीनां विप्रमोक्षः - आहार की शुद्धि से हमारे जीवन की सत्व शुद्धि है। 'सत्व शुद्धि से स्मृति मिलती है।' सत्व व्यक्तित्व का रस है। सत्व शुद्धि का परिणाम स्मृति की प्राप्ति है। स्मृति अतीत का स्मरण है। अतीत की घटनाएं मस्तिष्क में होती हैं। लेकिन जन्म के पहले भी हमारा अस्तित्व है। हम मां के गर्भ में होते हैं, जीवन्त होते हैं। मस्तिष्क में उस काल की भी स्मृतियां होनी चाहिए। वैज्ञानिक बताते हैं कि जीवन की हलचल गर्भधारण के कुछेक दिन बाद ही प्रारम्भ हो जाती है। ऐसी स्मृति भी हमारे मस्तिष्क में सुरक्षित होगी। गर्भ के पहले की स्मृति का स्मरण भी संभव है। ऋषि इसी स्मृति की प्राप्ति का उल्लेख करते हैं। शुद्ध आहार जीवन का आधार है। वार्तालाप में शुभ की चर्चा कम होती हैं। अशुभ की चर्चा में सबकी रुचि है। हम किसी की प्रशंसा करते हैं। तत्काल कुतर्क होंगे- ऐसा असंभव है, सब भ्रष्ट हैं। किसी को भ्रष्ट और चरित्रहीन बताओ, सब सुनने को तैयार हैं। हम दिनभर अशुद्ध सुनते हैं। शुद्ध स्वीकार्य नहीं। अशुद्ध प्रिय है। वार्तालाप का आहार भी अशुद्ध है। प्रकृति की गतिविधि में तमाम कर्णप्रिय ध्वनियां हैं। वायु के झोंकों में नृत्य मगन वृक्षों की ध्वनि उत्तम श्रवण आहार है। कोयल की बोली भी प्रिय है। ऋग्वेद के ऋषियों ने मेढ़क ध्वनि में भी सामगान सुने थे। बच्चों की बोली से कर्णप्रिय और श्रवण आहार क्या होगा? उनका तुतलाना सम्मोहनकारी है। हम ऐसे जीवंत दृश्यों पर ध्यान नहीं देते। गालियां याद रखते हैं, सुभाषित चैपाईयां नहीं सुनते। प्राचीन ज्ञान सुना हुआ आहार है। यह भी प्रभाव डालता है और प्रकाश की सूक्ष्म तरंग भी। आधुनिक दृश्य आहार और भी भयावह है। आंखें शुद्ध सौन्दर्य की प्यासी हैं। सिनेमा दृश्य-श्रव्य माध्यम है। हिंसा, तोड़फोड़ खतरनाक दृश्य आहार हैं। आकाश में उगे मेघ देखने में हमारी रुचि नहीं। वर्षा की हरीतिमा या बसंत की मधुरिमा के दृश्य हमारा आहार नहीं बनते। स्कूल जाते छोटे बच्चों को हम ध्यान से नहीं देखते लेकिन सड़क पर जाता किन्नर प्रिय दृश्य आहार है। नदी का प्रवाह, किसी संकरी गली का दाएं-बाएं मुड़ना, इसी बीच में पेड़ों का लहराना हमारा दृश्य आहार नहीं बनता। हम पक्षियों को ध्यान से नहीं देखते। उनकी निर्दोष आंखों से आंख नहीं मिलाते। उनके बच्चों का शुद्ध सौन्दर्य नहीं देख पाते। चरक संहिता में आहार को जीवों का प्राण कहा गया है - 'वह अन्न-प्राण मन को शक्ति देता है, बल वर्ण और इन्द्रियों को प्रसन्नता देता है।' यहां सुख और दुःख की दिलचस्प परिभाषा है 'आरोग्य अवस्था (बिना रोग) का नाम सुख है और रोग अवस्था (विकार) का नाम दुःख है।' (वही 133) बताते हैं 'भोजन से उदर पर दबाव न पड़े, हृदय की गति पर अवरोध न हो, इन्द्रियां (भी) तृप्त रहें।' (वही 562-63) चरक की स्थापना है 'सत्व, रज और तम के प्रभाव में मन तीन तरह का दिखाई पड़ता है परन्तु वह एक है।' (वही 118) बताते हैं 'जब मन और बुद्धि का समान योग रहता है, मनुष्य स्वस्थ रहता है, जब इनका अतियोग, अयोग और मिथ्या योग होता है तब रोग पैदा होते हैं।' (वही 122) मनोनुकूल स्थान पर भोजन करने के अतिरिक्त लाभ है, 'मन-अनुकूल स्थान पर भोजन से मानसिक विकार नहीं होते। मन के अनुकूल स्थान और मनोनुकूल भोजन स्वास्थ्यवर्द्धक हैं।' (वही 559) आधुनिक काल में फास्ट फूड की संस्कृति है। मांसाहार के नये तरीके आये हैं। शराब की खपत बढ़ी है। नये-नये रोग बढ़े हैं। तनाव बढ़े है। क्रोध बढ़ा है, क्रोधी बढ़े हैं। चरक संहिता में रोगों का वर्णन है। यहां शब्द, स्पर्श, रूप (दृश्य) रस और गंध के 'अतियोग और अयोग' रोग के कारण हैं। ध्वनि शब्द के बारे में कहते हैं, 'उग्र शब्द सुनने, कम सुनने अथवा हीन शब्दों को सुनने से श्रवणेन्द्रिय जड़ हो जाती है।' गाली, अप्रिय शब्दों को मिथ्यायोग कहते हैं।' स्पर्श पर टिप्पणी है, 'कीटाणु विषैली वायु आदि का स्पर्श' गलत है। रूप के विषय में कहते हैं, 'बहुत दूर से देखने और अतिनिकट से देखने को भी गलत बताया गया है। गंध के बारे में कहते हैं 'उग्र गंध अतियोग है।' अन्न भौतिक पदार्थ है। एक मंत्र में कहते हैं 'यह व्रत संकल्प है कि अन्न की निन्दा न करें- अन्नं न निन्द्यात्। अन्न ही प्राण है। प्राण ही अन्न है। यह शरीर भी अन्न है। अन्न ही अन्न में प्रतिष्ठित है। जो यह जान लेता है, वह महान हो जाता है - महान् भवति, महानकीर्त्या। (7वां अनुवाक) फिर बताते हैं 'यह व्रत है कि अन्न का अपमान न करें- अन्नं न परिचक्षीत, तद् व्रतम्। जल अन्न है। जल में तेज है, तेज जल में प्रतिष्ठित है, अन्न में अन्न प्रतिष्ठित है। जो यह जानते हैं वे कीर्तिवान होते हैं।' (8वां अनुवाद) फिर कहते हैं 'यह व्रत है कि खूब अन्न पैदा करे- अन्नं बहुकुर्वीत। पृथ्वी अन्न है, आकाश अन्नाद है। आकाश में पृथ्वी है, पृथ्वी में आकाश है। जो यह बात जानते हैं वे अन्नवान हैं और महान बनते हैं।' (9वां अनुवाक) अंतिम मंत्र बड़ा प्यारा है 'यह व्रत है कि घर आए अतिथि की अवहेलना न करें। अतिथि से श्रद्धापूर्वक कहें- अन्न तैयार है। इस कार्य को ठीक से करने वाले के घर अन्न रहता है।' ऐतरेय उपनिषद् में कहते हैं, 'सृष्टि रचना के पूर्व 'वह' अकेला था, दूसरा कोई नहीं था। उसने सृजन की इच्छा की- स ईक्षत् लोकान्नु सृजा इति। उसने लोक रचे। लोकपाल रचे। फिर इच्छा की कि अब लोक और लोकपालों के लिए अन्न सृजन करना चाहिए। उसने अन्न बनाये। (खण्ड 2 से खण्ड 3 तक) आहार को सुस्वाद बनाने की परम्परा प्राचीन है। मनुष्य जो खाता है, उसी का श्रेष्ठतम अतिथि को खिलाता है। श्रेष्ठतम खाद्य को ही देवों को अर्पित करता है। ऋग्वेद में भुना हुआ अन्न करम्भ कहा गया है। धाना भी भूना जाता है। ऋषि इन्द्र को भुना हुआ धाना भेंट करते हैं। स्तुति है 'दिवे-दिवे धानाः सिद्धि - रोज आओ, धाना पाओ। (3.53.3) अग्नि भी धाना पाकर धान्य (सम्पदा) देते हैं। (6.13.14) इन्द्र 'करम्भ' प्रेमी हैं लेकिन उन्हें धाना, करम्भ, अपूप (पुआ, पूड़ी) सोम एक साथ भी दिए जाते हैं। ऋषि 'अपूप' (पूड़ी, पुआ) खिलाने के लिए इन्द्र के साथ मरूद्गणों को भी न्यौता देते हैं। (3.52.7) आर्यों की दृष्टि में सर्वोत्तम खाद्य सामग्री यही है। शरीर में प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय और आनंदमय कोष हैं। इसी तरह प्राण, मन, आनंद का प्रभाव भी शरीर पर पड़ता है। आहार मनुष्य जीवन का आधार है। गीता की स्थापना है कि दुःख और शोक भी आहार से ही आते हैं। आधुनिक भारत में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी है लेकिन आहार की शुद्धि के आदर्श भुला दिए गये हैं। आहार की शुद्धता का दर्शन, रोगरहित, दीर्घायु की गारंटी है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष हैं।)

ज्ञान गंगा

ध्यान

श्रीराम शर्मा आचार्य

ईश्वर में विश्वास क्यों आवश्यक है? इसलिए आवश्यक है कि उसके सहारे हम जीवन का स्वरूप, लक्ष्य एवं उपयोग समझने में समर्थ होते हैं। ईश्वरीय विधान को अमान्य ठहरा दिया जाए तो फिर मत्स्य न्याय का ही बोलबाला रहेगा। आंतरिक नियंत्रण के अभाव में बाह्य नियंत्रण मनुष्य जैसे चतुर प्राणी के लिए अधिक कारगर सिद्ध नहीं हो सकता। नियंत्रण के अभाव में सब कुछ अनिश्चित और अविस्त बन जाएगा। ऐसी दशा में हमें आदिमकाल की वन्य स्थिति में वापस लौटना पड़ेगा। शरीर निर्वाह करते रहने के लिए पेट प्रजनन एवं सुरक्षा जैसे पशु प्रयत्नों तक सीमित रहना पड़ेगा। ईश्वर विश्वास ने आत्म नियंत्रण का पथ प्रशस्त किया है, उसी आधार पर मानवी सभ्यता का, आचार संहिता का, स्नेह-सहयोग एवं विकास-परिष्कार का पथ प्रशस्त किया है। मान्यता क्षेत्र से ईश्वरीय सत्ता हटा दी जाए तो फिर संयम, उदारता जैसी मानवी विशेषताओं को बनाए रखने का कोई दार्शनिक आधार शेष न रह जाएगा। तब चिंतन क्षेत्र में जो उच्छृंखलता प्रवेश करेगी, उसके दुष्परिणाम वैसे ही होंगे जैसे कथा गाथाओं में असुरों के नृशंस क्रियाकलाप का वर्णन पढ़ने-सुनने को मिलता है। ईश्वर अंधविश्वास नहीं एक तथ्य है। वि की व्यवस्था सुनियंत्रित है। सूर्य, चंद्र, नक्षत्र आदि सभी का उदय-अस्त क्रम अपने ढर्रे पर ठीक तरह चल रहा है, प्रत्येक प्राणी अपने ही जैसी संतान उत्पन्न करता है और हर बीज अपनी ही जाति के पौधे उत्पन्न करता है। अणु-परमाणुओं से लेकर समुद-पर्वतों तक की उत्पादन, वृद्धि एवं मरण का क्रियाकलाप अपने ढंग से ठीक प्रकार चल रहा है। शरीर और मस्तिष्क की संरचना और कार्यशैली देखकर आश्चर्यचकित रह जाना पड़ता है। इतनी सुव्यवस्थित कार्यपद्धति बिना किसी चेतना शक्ति के अनायास ही नहीं चल सकती। उस नियंता का अस्तित्व जड़-चेतन के दोनों क्षेत्रों में प्रत्यक्ष और परोक्ष की दोनों कसौटियों पर पूर्णतया खरा सिद्ध होता है। समय चला गया जब अधकचरे विज्ञान के नाम पर संसार क्रम को स्वसंचालित और प्राणी को चलता-फिरता पौधा मात्र ठहराया गया था। अब पदार्थ विज्ञान और चेतना विज्ञान में इतनी प्रौढ़ता आ गई है कि नियामक चेतना शक्ति के अस्तित्व को बिना आनाकानी स्वीकार कर सकें।

कांग्रेस को अपनी रणनीति पर विचार करना चाहिए

सियाराम पांडेय 'शांत'

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई जीएसटी परिषद की बैठक और उसमें लिए गए निर्णय चर्चा के केंद्र में है। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ब्लैक फंगस की दवा को माल और सेवा कर से मुक्त करने में विलंब के लिए केंद्र सरकार को घेरा और कहा कि देर से मिला न्याय भी अन्याय ही होता है। कांग्रेस को सोचना चाहिए कि सरकार की भी अपनी कुछ सीमाएं होती हैं, उसमें रहकर ही वह जनता को राहत देती है। कांग्रेस पहले तो कोवैक्सिन और कोविशील्ड टीके की गुणवत्ता पर सवाल उठा रही थी, अब मोदी सरकार से यह पूछती फिर रही है कि देश के एक अरब लोगों को टीका कबतक लग जाएगा? यह सवाल देश के वित्तमंत्री रह चुके पी. चिदंबरम के स्तर पर पूछा जा रहा है। यह सवाल तो उन्हें उस समय पूछना चाहिए था जब उनकी सरकार थी और तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 22 सितंबर 2012 को डीजल की कीमतों में वृद्धि तथा सब्सिडीयुक्त रसोई गैस की सीमा सीमित किए जाने के उनके फैसले का बचाव करते हुए कहा था कि पैसे पेड़ पर नहीं उगते। उन्होंने कहा था कि पेट्रोलियम उत्पादों पर सरकार का सब्सिडी बिल पिछले साल 1.40 लाख करोड़ रुपये हो गया। अगर हम कदम नहीं उठाते तो इस साल यह दो लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाता। गनीमत है कि तमाम प्राकृतिक आपदाओं, कोरोना जैसी वैश्विक महामारी और चीन से लंबे समय तक चली तनातनी के बीच कभी मोदी सरकार के किसी भी मंत्री ने इस तरह के गैर जिम्मेदाराना बयान नहीं दिए। कांग्रेस को इतना तो पता है ही कि कोरोना रोधी टीकों के बनने में समय लगता है। सभी लोगों को एक साथ टीके लगाना संभव नहीं है लेकिन सरकार अगर चाहे तो वह इसके लिए प्रयास कर सकती है और मोदी सरकार का यह प्रयास दिख भी रहा है। उसने कोविड रोधी टीकों पर जीएसटी दर 12 प्रतिशत से घटाकर पहले ही 5 प्रतिशत कर रखी है। कोरोना को मात दे सकने वाली दवाओं रेमडेसिविर, टोसिलिजुमेब,ऑक्सीजन सांद्रक और अन्य उपकरणों की दरें भी घटाई हैं। टोसिलिजुमेब और ब्लैक फंगस की दवा एम्फोटेरिसिन बी पर लग रहा 5 प्रतिशत जीएसटी समाप्त कर दिया है। कोविड जांच किट, चिकित्सा ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, कंसंट्रेटर और जनरेटर पर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया जाना सरकार का लोकोपकारी कदम है लेकिन कांग्रेस को इसमें कोई अच्छाई नजर ही नहीं आती। चिदंबरम या उन सरीखे कांग्रेस के बड़े नेता सरकार पर किसी से राय न लेने, किसी मुद्दे पर सहमति न बनाने और मनमाना निर्णय लेने के आरोप लगाती रही है, जीएसटी परिषद की यह 44वीं बैठक उसके सारे सवालों का जवाब है। सरकार ने यह निर्णय जीएसटी समूह की सिफारिशों के आधार पर लिया है। इस बैठक में राज्यों के मुख्यमंत्री और बड़े अधिकारी भी शामिल हुए। परिषद की बैठक में खून के थक्कों की दवाएं जहां सस्ती रखने का निर्णय लिया गया है, वहीं 18 वस्तुओं की नई दरें भी तय की गई है। एम्बुलेंस पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 12 प्रतिशत कर दी गई है। इसके बाद भी अगर चिदंबरम जैसे नेताओं को सरकार के प्रयासों में कमी नजर आ रही है तो उन्हें अपने बजट पेश करने वाले दिनों के अखबार जरूर देख लेने चाहिए जिसमें उन पर जनता को एक हाथ से देने और दूसरे से छीन लेने के आरोप लगते रहे हैं। देश चलाने के लिए धन का प्रवाह जरूरी है और सरकार को धन टैक्स से ही मिलता है। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी में वह जानता को राहत देने के यथासंभव प्रयास कर रही है। देश की एक बड़ी आबादी को मुफ्त राशन दे रही है। सबको मुफ्त टीके लगवा रही है और जीएसटी में भी राहत भी दे रही है। इस सरकार ने एक टैक्स की व्यवस्था कर रखी है। ऐसे में अगर वह उसमें भी राहत दे रही है और जीएसटी से होने वाली आय का 70 प्रतिशत राज्यों के साथ साझा कर रही है तो इसमें केंद्र सरकार की नेकनीयती ही झलकती है। चिदंबरम कह रहे हैं कि केंद्र सरकार जिम्मेदारी ले, सलाह करे और योजना बनाए। मोदी सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि वह फाइजर और स्पुतनिक जैसे मंहगे टीके मुफ्त नहीं लगवाएगी। निजी अस्पतालों में ये टीके उपलब्ध हैं, समर्थ लोग अपने खर्च पर उसे लगवा सकते हैं। इसके बाद भी अगर चिदंबरम विदेशी टीकों की आपूर्ति की नसीहत दे रहे हैं तो इसे किस रूप में देखा जाना चाहिए? हर सत्तारूढ़ दल अपने हिसाब से नीतियां बनाता है। अगर वह प्रतिपक्ष के हस्तक्षेप ही झेलता रहेगा तो अपनी नीतियों को अमली जामा कब पहनाएगा, विचार तो इसपर भी होना चाहिए। तीसरी लहर की आशंका में घिरे रहना ही उचित नहीं है। नीति भी कहती है कि गते शोको न कर्तव्यो भविष्यम नैव चिंतयेत। वर्तमान को जो दुरुस्त रखता है, भविष्य उसी का उज्ज्वल रहता है। कोरोना जन्य भारत की चिंता से दुनिया के देश भी चिंतित हैं। वे यथासंभव सहयोग कर रहे हैं। वह इसलिए कि भारत ने उनकी मदद की थी। मदद कभी बेकार नहीं जाती । विदेशों में टीके भेजने की भारतीय पहल की आलोचना करने वालों को इस ओर भी गौर करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-7के देशों को एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य का मंत्र दिया है। इस धरती पर एक भी संक्रमित रहा तो दुनिया पर संक्रमण का खतरा बना रहेगा। मौजूदा समय दुनिया से मिलकर चलने का है।

कांग्रेस को सोचना होगा कि एक ही देश में दो निशान दो संविधान की उसकी नीति ठीक नहीं है। विपक्ष को विरोध करना चाहिए लेकिन बेमतलब के विरोध से बचना भी चाहिए। चीन और पाकिस्तान का समर्थन कर कांग्रेस कभी मज़बूत नहीं हो सकती। वह देश की प्रगति में बाधक जरूर बन सकती है। इसलिए भी जरूरी है कि कांग्रेस को अपनी रणनीति पर विचार करना चाहिए और देश के व्यापक हितों का विचार करते हुए अपनी रीति-नीति पर अमल करना चाहिए। वह मोदी सरकार का साथ दे या न दे, उसे जनता के साथ जरूर खड़े होना चाहिए लेकिन उसके नेता जिस तरह के राजनीतिक प्रलाप कर रहे हैं, उससे लगता तो नहीं कि वे इस पर गंभीर भी हैं।

(लेखक हिन्दुस्थान समाचार से सम्बद्ध हैं।)

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

ज्वेलरी मेकिंग

अपना करियर खुद कीजिए डिजाइन

अभी शादी-विवाह का मौसम समाप्त हुआ है। बारिश का मौसम शुरु हो गया है पर ज्वेलरी 12 महिनों तक उनकी मांग बनी रही है। आज के दौर में ज्वेलरी मेकिंग सिर्फ सुनारों का ही खानदानी काम नहीं रहा। आप भी गहने बनाने के काम में अपना भविष्य बना सकते हैं। शुरू में थोड़े इन्वेस्टमेंट के साथ आप अपना काम भी शुरू कर सकते हैं। कैसे, इस बारे में बता रहे हैं... जिस तरह ज्वेलरी अब सिर्फ सोने-चांदी का नाम नहीं है, ठीक वैसे ही यह काम अब केवल सुनारों का नहीं रह गया है। ज्वेलरी की बढ़ती डिमांड और बाजार में प्रतिस्पर्धा के चलते अब इस क्षेत्र में पढ़े-लिखे डिग्रीधारी प्रोफेशनल्स को काम करने का मौका मिलने लगा है।

भारत रत्न विज्ञान केंद्र के निदेशक एपी सिंह ने बताया कि 'ज्वेलरी मेकिंग में भारत दुनिया भर में सबसे आगे हो चुका है। यहां सस्ते और अच्छे कारीगर मिलने की वजह से विश्व का ध्यान भारत की ओर टिका हुआ है।' अब वह दौर भी धीरे-धीरे जा रहा है, जब लोग ज्वेलरी को आवश्यकता की चीज यानी इन्वेस्टमेंट की नजर से ज्यादा और साज-सज्जा यानी श्रृंगार की सोच से कम खरीदा करते थे। आजकल लोग इन्वेस्टमेंट के साथ इस बात पर विशेष ध्यान देने लगे हैं कि वे जिस आभूषण को खरीद रहे हैं, उसका डिजाइन कैसा है और वह पहनने पर कैसा लगेगा। डिजाइन अच्छा होगा तो उसे पहनने वाले की सुंदरता में भी चार चांद लगेंगे। लोगों की इसी सोच के चलते अब सोने-चांदी के अलावा आर्टिफिशियल और कॉस्टयूम ज्वेलरी की भी बाजार में काफी डिमांड है। खैर, ज्वेलरी चाहे सोने-चांदी की हो या आर्टिफिशियल या कॉस्टयूम, दोनों को तैयार करने वालों को प्रशिक्षण एक ही तरह का दिया जाता है। आजकल के बदलते ट्रेंड और इस क्षेत्र में करियर के उम्दा चांस मिलने के चलते युवा इस ओर खूब रुख कर रहे हैं। इस क्षेत्र में पैसे की भी कोई कमी नहीं है।

ज्वेलरी मेकर्स का काम

इस क्षेत्र में काम करने वालों को आभूषण बनाना, उन्हें मॉडिफाई करना, डिजाइन करना आदि के अलावा जैमोलॉजी की बेसिक जानकारी तथा कास्टिंग टेक्नोलॉजी, ज्वेलरी का इतिहास, स्टोन कटिंग एंड इनेबलिंग यानी नक्काशी, रत्नों की शुद्धता मापना, रत्नों का चुनाव, मूल्य, सेटिंग, पॉलिशिंग, सोइंग एवं सोल्डरिंग, फेब्रिकेशन, रिपेयरिंग, रत्नों के अलावा टेराकोटा मोतियों और हाथी दांत व सीपियों का प्रयोग करना सिखाया जाता है। अगर आप कला में रुचि रखते हैं। दसवीं या बारहवीं पास हैं और अपना काम करना चाहते हैं या आपको नौकरी उतनी अच्छी नहीं मिल रही है अथवा आप परीक्षाओं में अच्छे अंक नहीं ला पाए हैं तो आप ज्वेलरी मेकिंग का काम सीख कर इस क्षेत्र में बहुत अच्छा पैसा कमा सकते हैं। कैसे, आइए जानें:- ज्वेलरी मेकिंग या डिजाइनिंग के लिए कम से कम 10 फुट चौड़े और 12 फुट लंबाई वाले कमरे की जरूरत होती है। बड़ा काम करने के लिए उसी हिसाब से जगह की ज्यादा जरूरत होती है।

ललागत

इस काम को करने में कम से कम पांच लाख रुपए का खर्च आता है। आप जितना बड़ा काम करना चाहेंगे, लागत भी उतनी ही अधिक आएगी। अगर आप केवल टांका लगाने का काम करते हैं या तार खींचने का काम या लड़ी जोड़ने यानी पिरोने का काम करना चाहते हैं तो आपका काम बीस-तीस हजार रुपए में शुरू हो सकता है। जगह का खर्च आपको अलग से वहन करना पड़ेगा।

लहैंड्स

हैंड्स यानी सहयोग, मतलब आपको इस काम को करने के लिए कम से कम कितने वर्कर्स की आवश्यकता पड़ेगी तो आपको बता दें कि पांच लाख की लागत लगा कर काम शुरू करने पर आपको कम से कम 15 लोगों की आवश्यकता पड़ेगी। अगर आप काउंटर लगाकर काम शुरू करते हैं तो आपको किसी अन्य व्यक्ति की सहायता की जरूरत नहीं पड़ेगी या काम के हिसाब से आप कारीगर रख सकते हैं।

लयोग्यता

ज्वेलरी मेकर बनने के लिए डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करना आवश्यक है। इसके लिए आपकी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं होनी चाहिए। कुछ प्राइवेट संस्थान दसवीं पास छात्रों को भी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। बड़े संस्थान लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश देते हैं।

लकोर्स की अवधि

ज्वेलरी मेकिंग के कोर्सेज की अवधि तीन माह से लेकर दो साल तक है। इसमें तीन से छः माह के सर्टिफिकेट कोर्स होते हैं, जबकि एक से दो साल में डिप्लोमा कोर्स कराए जाते हैं। आजकल कुछ संस्थान साप्ताहिक कोर्स भी कराते हैं, जिनमें टांका लगाना, ज्वेलरी साफ करना, तार खिंचाई, लड़ी जोड़ना सिखाया जाता है।

लशुल्क

ज्वेलरी मेकिंग के कोर्स का शुल्क प्रशिक्षण अवधि, कोर्स और संस्थान पर निर्भर करता है। इस काम को सिखाने वाले संस्थान 10 हजार रुपए से दो लाख रुपए तक चार्ज करते हैं। जो संस्थान सिर्फ टांका आदि लगाना सिखाते हैं, वे एक हजार से पांच हजार तक वसूलते हैं।

लआमदनी

ज्वेलरी मेकिंग का काम एक ऐसा काम है, जिसमें आपकी आमदनी अच्छी होने के साथ बढ़ती ही रहती है। इस काम में सोने-चांदी का 15 प्रतिशत हिस्सा अलॉय यानी दो-तीन धातुओं के मिश्रण में और 5 प्रतिशत हिस्सा ढलाई में मिलता है। मोटे तौर पर कहें तो कुल मिला कर अलग-अलग जगहों के हिसाब से 14, 15, 18 या 23 प्रतिशत हिस्सा बनाने वाले को मिलता है और बनवाई अलग से मिलती है। अन्य धातुओं से ज्वेलरी बनाने में केवल बनवाई मिलती है। शुद्ध आमदनी की अगर बात की जाए तो पांच लाख रुपए की लागत से शुरू किए गए काम से आप लाखों रुपए महीने तक कमा सकते हैं, जबकि आर्टिफिशियल या कॉस्टयूम ज्वेलरी बनाने में कुछ कम आमदनी होती है। आपका काम जितने बड़े स्तर का होगा या बढ़ेगा, उसी हिसाब से आमदनी भी बढ़ेगी।

ललोन

ज्वेलरी मेकिंग का काम शुरू करने के लिए अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो आप लोन भी ले सकते हैं। इसके लिए आपके पास दो रास्ते हैं। एक निजी स्तर पर सीधे बैंक से लोन लेने का और दूसरा सरकारी संस्थान के सर्टिफिकेट पर ग्रामीण या शहरी स्वरोजगार योजना की स्कीमों के अंतर्गत लोन लेकर काम शुरू करने का। दोनों ही तरह से आपको जरूरी दस्तावेज जमा कराने होंगे। इन दस्तावेजों में प्रोजेक्ट रिपोर्ट, जगह के कागज, बैंक या स्कीम के मुताबिक सिक्योरिटी मनी, शिक्षा के प्रमाण-पत्र, आईडी प्रूफ, पासपोर्ट साइज फोटो आदि शामिल हैं। इसके अलावा आपको दो गवाह भी चाहिए। लोन की राशि आपकी प्रोजेक्ट रिपोर्ट, कार्य का आकार-प्रकार और जगह की वैल्यू पर निर्भर करेगी।

हमेशा ऊंचाइयों पर कैसे रहें?

यदि आप चाहते हैं कि आप ऊंचाई पर हों और प्रसन्नचित्त रहें तो उसका एक ही तरीका है, हमेशा दूसरों को प्रसन्न रखें। दूसरों की सहायता करने में कोई हर्ज नहीं है, किंतु यदि आप इसे अपनी प्राथमिकताओं, वचनबद्धता व जरूरतों की कीमत पर करते हैं तो आप हमेशा अप्रसन्न महसूस करेंगे। आपको इस बात का भी अहसास होगा कि आप अपने वांछित लक्ष्यों, इच्छाओं व उद्देश्यों को हासिल नहीं कर पा रहे हैं। इसके साथ ही आपको सुनिश्चित समय-अंतराल के साथ, सुनिश्चित लक्ष्यों की भी जानकारी होनी चाहिए। आपकी वचनबद्धता के स्तर, उत्साह व प्रेरणा में मेल होना भी जरूरी है। बड़े लक्ष्य पाने हैं तो बड़े कदम उठाने होंगे। आपके भीतर पथ में आने वाली हर बाधा पर हावी होने, उसका सामना करने व उस पर विजय पाने का साहस होना चाहिए।

पराजितों से दूर रहें

ऊंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें, क्योंकि वे हमेशा यही बताने की कोशिश में रहते हैं कि आप कोई काम क्यों नहीं कर सकते या अपने लक्ष्य क्यों नहीं पा सकते। इन पराजितों के दल का हिस्सा न बनें, क्योंकि इनमें से कुछ को बदल पाना नामुमकिन होता है। यदि आप उनके साथ रहेंगे तो नकारात्मकता की चपेट में आते देर नहीं लगेगी।

प्रेरणा का स्रोत ऊंचा रखें

प्रेरणा का स्तर इतना ऊंचा हो कि आप हमेशा एक से दूसरे लक्ष्य तक जाने के लिए प्रेरित रहें। आपको अहसास हो कि सफलता की राह में अड़चनें भी होती हैं और आप उन बाधाओं व अड़चनों के बावजूद यात्रा को अधूरा नहीं छोड़ने वाले।

केवल आज में ही जिएं

प्रसन्न रहने का एक तरीका यह भी है कि बीते दिन की बुरी यादों को साथ न लाएं और न ही आने वाले कल की चिंता करें। प्रायः हम जिस दुर्भाग्य की कल्पना कर लेते हैं, वह घटित नहीं होती। यदि कोई संकट या परेशानी सामने आ भी जाए तो याद रखें कि वह भी बीत जाएगी। दिमाग में किसी भी चिंता का बोझ न डालें। हम आज का भार तो सह सकते हैं, किंतु कल व आने वाले कल की परेशानी का भार नहीं सह सकते। मनुष्य का स्वभाव भी बड़ा विचित्र होता है, वह एक शेर को तो चकमा दे सकता है, लेकिन किसी मच्छर या मक्खी को नहीं उड़ा पाता। ऊंचाई पर रहने का सबसे बेहतर तरीका यही है कि आने वाले कल की उन चिंताओं पर विचार न करें, जो संभवतः कभी घटित ही न हों। मिशेल डी मोंइज ने कहा है- ''मेरा जीवन ऐसे भयानक दुर्भाग्यों से भरपूर रहा है, जिनमें से ज्यादातर ऐसे हैं, जो कभी घटित ही नहीं हुए।

कम्युनिकेशन पर दें अधिक ध्यान

थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी... इनका प्रयोग अक्सर कम्युनिकेशन के दौरान होता है। कम्युनिकेशन अपने आप में काफी बड़ा, विस्तृत और आकर्षक विषय है। समाज में विभिन्न स्तरों पर संवाद की जरूरत और किस प्रकार का संवाद होना चाहिए, इस पर कई बातें निर्भर करती हैं।

कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भी कम्युनिकेशन पर काफी ध्यान दिया जाता है। कम्युनिकेशन में सकारात्मकता आपको घर से लेकर आपके ऑफिस में सहायक सिद्ध होगी। घर पर अगर आप परिवार के किसी सदस्य के साथ बातचीत कर रहे हैं और उसमें कोई बात आपको अच्छी नहीं लगी तब आप तत्काल उस पर प्रतिक्रिया देते हैं और टोक देते हैं। खासतौर पर जब बात युवा साथी की हो तब उसे टोकना जरूरी भी है ताकि वह अपने कम्युनिकेशन में बदलाव लाए, पर यहां भी बात सकारात्मकता की लागू होती है। अगर आपने डांट कर अपनी बात मनाने के लिए कोई बात कही तब कुछ भी नहीं होने वाला और हो सकता है कि अगली बार आप संवाद स्थापित करने का मौका ही छोड़ दे। अगर बात कॉर्पोरेट वर्ल्ड की है तब कार्यालयों में यह देखा जाता है, अगर कोई कर्मचारी समय पर नहीं आता है तब छुट्टी से लेकर नोटिस देने जैसे कितने ही कार्य होते हैं। एक कंपनी में तो देरी से आने वाले को सभी स्टॉफ के सामने डांटने जैसी परंपरा ही थी, परंतु इससे क्या व्यवस्थाओं में परिवर्तन लाया जा सकता है क्या? या फिर कम्युनिकेशन इसमें किस तरह का हो सकता है, इस बारे में विचार किया जाए। पॉजिटिव कम्युनिकेशन की बात की जाए तब कार्यालय में देरी से आने वाले कर्मचारी को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए कि चलिए आज कोई समस्या होगी बावजूद इसके आप थोड़ा ही देर से आए। आप कल और जल्दी आ सकते हैं। हो सकता है कि इससे कर्मचारी के मन पर थोड़ा असर पड़े और वह जल्दी आने के लिए प्रेरित हो, जबकि दूसरी ओर अगर आपने उसे डांटा है तब उसका नकारात्मक असर ही पड़ेगा। वह ऑफिस में जल्दी जरूरी आएगा, पर अपना आउटपुट जैसा चाहिए वैसा नहीं देगा। घर पर भी युवाओं या किशोरों से बातचीत के दौरान या सामान्य रूप से बातचीत के दौरान भी अगर आप किसी विवाद को समाप्त करना चाहते हैं तब बातचीत की शुरुआत जिन मुद्दों पर असहमति है उनसे न करके जिन बातों पर सहमति है, उससे करेंगे तब बात बनेगी जरूर। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में किसी भी उत्पाद या किसी अन्य कंपनी से डील करते वक्त इस बात का ध्यान रखा जाता है।

दोनों साझा रूप से किन बातों पर सहमत हैं। एक बार हां की मुहर लग जाने के बाद अन्य बातें करने में आसानी हो जाती है। थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी का उपयोग कहां, कब और कितना करना यह भी जानना जरूरी है। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भावनाओं की कद्र थोड़ी कम ही होती है और खासतौर पर सेल्स के क्षेत्र में कंपनियों को टारगेट पूर्ण होने से मतलब होता है। इस कारण सॉरी की बात ही न कहें, बल्कि तर्क के सहारे अपनी बात रखें। जब घर की बात हो तब यही सॉरी सबकुछ हो जाता है। माता-पिता के सामने अगर आपने गलत बात बोल दी है और आपको सही मायने में पछतावा हो रहा है तब एक सॉरी से काफी बात बन सकती है, पर ऐसा नहीं है कि आप बार-बार सॉरी कहते रहें और गलतियां करते रहें।

कंपनी उड़ान ने 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया

नई दिल्ली। कंपनी उड़ान ने पिछले एक से डेढ़ साल के दौरान प्रौद्योगिकी, आपूर्ति श्रृंखला और अन्य क्षेत्रों में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में सालाना आधार पर 100 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य रखा है।कंपनी ने इस सप्ताह परिचालन के पांच साल पूरे किए हैं। कंपनी के संस्थापको ने कहा, यह देश में प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर लाखों छोटे कारोबारों की समस्याओं को सुलझाने के लिए व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव लाने के विचार के साथ शुरू हुआ था, जो आज के दौर में वास्तविकता बन चुका है। आज हम सबसे बड़ा ई-कॉमर्स मंच ही नहीं, सबसे बड़ा वाणिज्यक मंच बनने की राह पर हैं।'' पिछले वर्षों के दौरान उड़ान का कारोबारी मॉडल बाजार जरूरतों के हिसाब से अधिक तेज हुआ है। उन्होंने कहा,हमारे द्वारा पिछले 12 से 18 माह में प्रौद्योगिकी, आपूर्ति श्रृंखला, श्रेणी, क्रेडिट, लोगों ओर अनुपालन आदि में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। यह हमारी वृद्धि में दिख रहा है। उड़ान की स्थापना 2016 में हुई थी। इसके मंच पर अभी 30 लाख प्रयोगकर्ता तथा 30,000 से अधिक विक्रेता हैं। कंपनी प्रतिदिन 1.5 से 1.75 लाख ऑडर की आपूर्ति करती है। मासिक आधार पर कंपनी 45 लाख ऑर्डर की आपूर्ति करती है।

फिक्स्ड लाइन इंटरनेट सेवाप्रदाताओं ने नया उद्योग संगठन बनाया

नयी दिल्ली, फिक्स्ड लाइन इंटरनेट सेवाप्रदाताओं ने मिलकर एक नया उद्योग संगठन बनाया है। नए उद्योग संघ 'ऑल इंडिया फिक्स्ड इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर एसोसिएशन' के संस्थापक सदस्यों में एसीटी फाइबरनेट, श्याम स्पेक्ट्रा, यू ब्रॉडबैंड, माइक्रोसेंस, डी-वाइस, विजाग ब्रॉडकास्टिंग कंपनी, पायोनियर इलैब्स, मिथिल टेलीकम्युनिकेशंस, बेल टेली सर्विसेज और बीबीएनएल शामिल हैं। मंगलवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि देश के सभी प्रमुख इंटरनेट सेवाप्रदाता एक मंच पर आए हैं और उन्होंने ऑल इंडिया फिक्स्ड इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स एसोसिएशन (एआईएफआईएसपीए) नाम से नया उद्योग संगठन बनाया है।

भारत में महामारी के बावजूद वित्तीय संपत्ति 11 प्रतिशत बढ़कर 3400 अरब डॉलर हुईः रिपोर्ट

मुंबई. वैश्विक सलाहकार फर्म बीजीजी के मुताबिक भारत में कोविड-19 महामारी के बावजूद 2020 में वित्तीय संपत्ति 11 प्रतिशत बढ़कर 3400 अरब अमेरिकी डॉलर हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक वित्तीय संपत्ति में 11 प्रतिशत की वृद्धि 2020 तक पिछले पांच साल के दौरान चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर के बराबर है। वित्तीय संपत्ति से आशय व्यस्क व्यक्तियों के पास रियल एस्टेट और देनदारियों को छोड़कर कुल संपत्ति से है। गौरतलब है कि महामारी के शुरुआती दिनों में तेज गिरावट के बाद पिछले साल अप्रैल से शेयर बाजार में लगातार तेजी जारी है। हालांकि, इसे लेकर आय में असमानता की चिंता भी व्यक्त की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक अगले कुछ वर्षों में वित्तीय संपत्ति में तेजी से विस्तार होगा, लेकिन विस्तार की दर 2025 तक 10 प्रतिशत वार्षिक के करीब रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि 2025 तक 10 करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्ति हासिल करने वाले की वृद्धि दर के लिहाज से भारत अग्रणी होगा और यह संख्या अगले पांच वर्षों में दोगुनी होकर 1,400 हो जाएगी।

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन को वित्तवर्ष 21 में अब तक का सबसे अधिक शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। सरकारी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी) ने वित्तवर्ष 2020-21 के लिए अब तक का सबसे अधिक शुद्ध लाभ 8,444 करोड़ रुपये दर्ज किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 49 प्रतिशत अधिक है। वित्तवर्ष 20 में, पीएफसी ने स्टैंडअलोन आधार पर 5,655 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। कंपनी का समेकित शुद्ध लाभ भी वित्तवर्ष 2011 में 66 प्रतिशत बढ़कर 15,716 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्तवर्ष 2010 में 9,477 करोड़ रुपये था। 2020-21 के दौरान, बिजली क्षेत्र के ऋणदाता ने वित्तवर्ष 20 में अपनी शुद्ध ब्याज आय को बढ़ाकर 12,951 करोड़ रुपये कर 10,097 करोड़ रुपये कर दिया। कंपनी ने 2 रुपये प्रति शेयर का लाभांश घोषित किया जो वित्तवर्ष 21 में 10 रुपये प्रति शेयर यानी 100 प्रतिशत के कुल लाभांश वितरण को लेता है। लाभ वृद्धि से सहायता प्राप्त, वित्तवर्ष 2021 के लिए पीएफसी की कुल संपत्ति भी 16 प्रतिशत बढ़कर 52,393 करोड़ रुपये हो गई। वाणिज्यिक बैंकों के विपरीत, पीएफसी के सकल एनपीए अनुपात में वित्तवर्ष 2015 से 238 बीपीएस की तेज कमी देखी गई। मौजूदा जीएनपीए अनुपात वित्तवर्ष 2020 में 8.08 फीसदी के मुकाबले 5.70 फीसदी है। शुद्ध एनपीए अनुपात में भी वित्तवर्ष 2015 से 171 बीपीएस की तेज कमी देखी गई। वर्तमान शुद्ध एनपीए अनुपात वित्तवर्ष 2020 में 3.80 प्रतिशत के मुकाबले 2.09 प्रतिशत है। ऋणदाता ने कहा कि उसकी स्ट्रेस्ड बुक का 25 प्रतिशत वित्तवर्ष 21 में हल हो गया। कंपनी का पूंजी पर्याप्तता अनुपात भी 31 मार्च, 2021 को क्रमिक रूप से बढ़कर 18.83 प्रतिशत हो गया है। पूंजी पर्याप्तता निर्धारित नियामक सीमाओं के ऊपर और ऊपर पर्याप्त कुशन के साथ एक आरामदायक स्तर पर है। सरकार द्वारा घोषित आत्मनिर्भर डिस्कॉम्स लिक्विडिटी सपोर्ट के तहत, पीएफसी और उसकी सहायक आरईसी ने मिलकर अब तक 1,34,782 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं और 78,855 करोड़ रुपये का वितरण किया है।

वेदांता ने चलाया कॉरपोरेट जगत का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान

मुंबई। वेदांता ने कहा कि उसके 84,000 से ज्यादा कर्मचारियों, व्यापार साझेदारों और साथ ही उनके परिवार के लोगों को कोविड टीके की पहली खुराक दे दी गई है।इसके साथ ही अगस्त तक उसकी सभी कार्य स्थलों पर टीकाकरण अभियान पूरा हो जाएगा। कंपनी ने कहा कि उसकी अलग-अलग जगहों पर उन आगंतुकों को पहली खुराक देने की योजना है, जिन्हें अब तक पहली खुराक नहीं मिली है। कंपनी ने कहा, ÷वेदांता केयर्स ने 84,000 से ज्यादा कर्मचारियों, व्यापार साझेदारों और साथ ही उनके परिवार को लोगों को कोविड टीके की पहली खुराक दिलाई है, जो भारत में अब तक कॉरपोरेट द्वारा चलाए गए सबसे बड़े कोविड-19 टीकाकरण अभियानों में से एक है। वेदांता अपने व्यापार साझेदारों को कोविड कवच बीमा उपलब्ध कराएगी जिसमें टर्म लाइफ और अस्पताल में भर्ती होने के साथ साथ मृत व्यापार साझेदार कर्मचारी के परिवार के लोगों को 10 लाख रुपए की अनुग्रह राशि की सुविधाएं शामिल है।

सेहत के लिये खतरा बन सकता है आपका बाथरूम-टॉयलेट्स

नईदिल्ली। अदृश्य शत्रु हमेशाही उन दृष्टिगोचर शत्रुओं से ज्यादा खतरनाक होते हैं, क्योंदकि आपका मुकाबला उससे हो रहा होता है, जिन्हें आप देख नहीं सकते। कोविड-19 महामारी इसका एक सटीक उदाहरण है। इसमें हम सभी एक अदृश्य वायरस का सामना कर रहे हैं, जिसने तबाही मचा रखी है।हालाँकि, इस तरह का खतरा सिर्फ वायरस तक ही सीमित नहीं है। हमारे घरों के अंदर मौजूद बैक्टीरिया, कीटाणु और दूसरे वायरस भी हमारी सेहत के लिये खतरा उत्पन्न कर सकते हैं। घरों के अंदर जिन जगहों पर बीमारियाँ पैदा करनेवाले ये खतरनाक कीटाणु छिपे होते हैं, उनमें हमारे टॉयलेट्स और बाथरूम प्रमुख हैं।

इस मामले में डॉ. मुकेश कुमार-सीनियर कंसल्टेंट न्यूरोलॉजिस्टच, मैक्स सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल, साकेत, दिल्ली का कहना है कि हम सभी जानते हैं कि श्वसन की प्रक्रिया के दौरान निकलनेवाले ड्रॉपलेट्स या पानी की बूंदों जैसे तत्व कोरोनावायरस के प्रसार का प्रमुख स्रोत है। हालांकि, टॉयलेट्स और बाथरूम, जो हमारे परिवार द्वारा इस्तेमाल की जानेवाली साझा जगहें हैं, वहाँ पर कई ऐसे बैक्टीरिया एवं कीटाणु पैदा होते हैं, जो कई तरह के हानिकारक रोगों का कारण बन सकते हैं। छोटी और बंद जगहों पर, जहाँ शुद्ध हवा एवं सूरज की रोशनी बेहद कम मात्रा में या बिल्कुल भी नहीं आतीहै, वायरस के फैलने की संभावना सबस ज्याद होती है।

शेयर बाजार उछला , निफ्टी 15,869 अंक के रिकार्ड स्तर पर बंद

सेंसेक्स 52,773 पर पहुंचा

मुंबई (एजेंसी)। मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को नई ऊंचाई पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी लिमिटेड के शेयरों में आई तेजी से बाजार में यह उछाल आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई का प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स 221.52 अंक करीब 0.42 फीसदी की बढ़त के साथ 52,773.05 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 57.40 अंक तकरीबन 0.36 फीसदी की बढ़त के साथ ही 15,869.25 के रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में करीब 3 फीसदी की तेजी एशियन पेंट्स के शेयर में रही। इसके अलावा एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इंडसइंड बैंक, इन्फोसिस और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी उछाल आया। वहीं दूसरी ओर बजाज फिनसर्व, डा. रेड्डीज, टाइटन, सन फार्मा, बजाज फाइनेंस और पावर ग्रिड समेत कुछ अन्य शेयर नीचे आये हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों एचडीएफसी, इंफोसिस, टीसीएस और रिलायंस के शेयरों में आये उछाल से बाजार में बढ़त आई है। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार के दौरान 220 अंक से अधिक उछला है और

52,772.20 पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी निफ्टी 62.35 अंक या 0.39 फीसदी बढ़कर 15,874.20 पर पहुंच गया। सुबह के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के सभी घटक बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। सेंसेक्स में सबसे अधिक 1.5 फीसदी की तेजी एशियन पेंट्स के शेयरों में थी। इसके बाद बढ़ने वाले शेयरों में इंडसइंड बैंक, ओएनजीसी, बजाज फिनसर्व, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल और कोटक बैंक के शेयर रहे।

पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस की कारलायले से 4,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना पर नियामकों की नजर

नई दिल्ली (एजेंसी):

पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस में अमेरिका की निजी इक्विटी कंपनी कारलायले और अन्य द्वारा 4,000 करोड़ रुपए का निवेश किए जाने पर भारतीय रिजर्व बैंक के साथ ही पूंजी बाजार नियामक सेबी की नजर है। इस निवेश को लेकर दोनों नियामक विभिन्न नियामकीय मुद्दों को देख रहे हैं। इसके निदेशक मंडल ने पिछले महीने ही कारलायले समूह कंपनियों और अन्य कंपनियों को तरजीही शेयर और परिवर्तनीय वारंट जारी कर 4,000 करोड़ रुपये तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। सूत्रों का कहना है अल्पांश शेयरधारकों, कार्पोरेट संचालन और अन्य नियामकीय पहलुओं की दृष्टि से रिजर्व बैंक और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) इस पर गौर कर रहे हैं। रिजर्व बैंक ने इस साल की शुरुआत में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के अपनी इस अनुषंगी में पूंजी डालने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। पीएनबी राइट इश्यू के जरिए पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस में पूंजी डालना चाह रहा था लेकिन बैंक की वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए आरबीआई ने अनुमति नहीं दी। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस की कारलायले तथा अन्य के साथ प्रस्तावित निवेश प्रस्ताव पर पीएनबी के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ एस एस मल्लिकार्जुन राव ने इस माह की शुरुआत में कहा था कि बैंक न तो कोई निवेश कर रहा है और न ही अपनी हिस्सेदारी को बेच रहा है लेकिन अन्य स्रोतों से होने वाले निवेश के कारण उसकी हिस्सेदारी घटकर 21 प्रतिशत के आसपास आ सकती है। पीएनबी की वर्तमान में एक प्रवर्तक के तौर पर पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस में हिस्सेदारी 32.64 प्रतिशत है। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस की 22 जून को असाधारण आम सभा की बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में कालाइल और अन्य निवेश फर्मों को तरजीही आधार पर शेयरों के आवंटन तथा अन्य प्रस्तावों पर शेयरधारकों की मंजूरी ली जाएगी। बहरहाल, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस के निदेशक मंडल में शामिल निदेशकों के इस निवेश के मामले में हितों के टकराव की भी रिपोर्टें हैं। उसके कुछ निदेशकों के कालायले के साथ प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष संबंध होने की रिपोर्टें हैं। इस बीच कारलाइल समूह तथा अन्य कंपनियों ने सोमवार को पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस में 26 प्रतिशत इक्विटी अधिग्रहण के लिए 7 करोड़ से अधिक शेयरों को खरीदने के लिए एक ''मसौदा पेशकश पत्र'' जारी किया है। यह पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस में तरजीही इश्यू के जरिये 4,000 करोड़ रुपए का निवेश करने के प्रस्ताव का हिस्सा है। सेबी नियमों के मुताबिक किसी भी सूचीबद्ध कंपनी में यदि कोई निवेशक 25 प्रतिशत से अधिक शेयरों का अधिग्रहण करता है तो उसे उसके शेयरधारकों के समक्ष अनिवार्य रूप से खुली पेशकश करनी होती है। खुली पेशकश के लिए प्रति शेयर 403.22 रुपए का मूल्य तय किया गया है।

सोने, चांदी में तेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 303 रुपये की तेजी के साथ ही 47,853 रुपये प्रति दस ग्राम पहुंच गया जबकि गत दिवस सोना 47,550 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं इसी प्रकार चांदी भी 134 रुपये की तेजी के साथ ही 70,261 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयी। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी का बंद भाव 70,127 रुपये प्रति किलोग्राम था। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतें 1,864.50 डॉलर प्रति औंस तथा 27.65 डॉलर प्रति औंस पर हैं।

माईक्रोसॉफ्ट टीम में व्यक्तिगत सुविधाएँ अब नि:शुल्क उपलब्ध हैं

सामाजिक दूरी की वजह से शायद हम अपने दोस्तों और परिवार से शारीरिक तौर पर दूर रहते हों लेकिन टैक्नोलॉजी ने ज़रूर इस मुश्किल वक्त में हमें अपनों के करीब आने का मौका दिया है। माइक्रोसॉफ्ट का लक्ष्य हर किसी को एक दूसरे के साथ जुड़े रहने में मदद करने का है क्योंकि जीवन तभी बेहतर है जब हम सब साथ हैं!

सभी के लिए चैट करने और मिलने-जुलने का प्लेटफॉर्म माइक्रोसॉफ्ट टीम्स पहले से ही कामकाजी पेशेवरों के लिए प्रमुख समाधान है। अब आप माइक्रोसॉफ्ट टीम्स का इस्तेमाल करने अपने परिवार और दोस्तों के साथ भी जुड़ सकते हैं। आप आज से ही शुरू करने के लिए आईओएस, एंड्रॉयड या डेस्कटॉप ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। इन नए फीचर्स को उन लोगों के साथ आसानी से और फटाफट बातचीत करने की सुविधा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है जिन लोगों की आप चिंता करते हैं। आइए देखते हैं!

•टीम्स का इस्तेमाल Gujarati में करेंआप माइक्रोसॉफ्ट टीम्स का इस्तेमाल अपनी स्थानीय भाषा- Gujarati में कर सकते हैं! आप टीम्स के सभी फ़ीचर्स को ऐक्सेस कर सकते हैं और जब चाहें भाषा को दोबारा बदलकर अंग्रेज़ी कर सकते हैं। इस ऐप की मदद से आप Gujarati में मिले संदेशों को भी सुन सकते हैं।

•24 घंटे मुफ़्त में कॉल करने की सुविधा:माइक्रोसॉफ्ट टीम्स के साथ अब आप 300 लोगों के साथ 24 घंटे बात कर सकते हैं! माइक्रोसॉफ्ट टीम्स के साथ आपको अपने फ़ोन बिल के बारे में भी चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। हम चाहते हैं कि इस महामारी के दौरान लोग बिना रुके लंबी बातें करें।

•वीडियो कॉलिंग-अपने प्रियजनों के साथ जुड़ने का आसान तरीका वीडियो कॉल करना है। टीम्स के वीडियो कॉल के लिंक किसी के भी साथ शेयर किया जा सकता है- भले ही वे इस ऐप का इस्तेमाल न करते हों। आपके दोस्त या परिवार के लोग किसी भी डिवाइस या वेब ब्राउज़र का इस्तेमाल करके मीटिंग का हिस्सा बन सकते हैं।

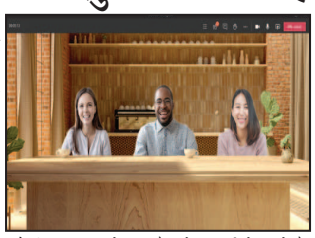

•ट्यूंदर मोड:अब ट्यूंदर मोड के साथ आप ऐसा महसूस कर सकते हैं कि जैसे आपके प्रियजन आपके साथ एक ही कमरे में बैठे हों। इस सुविधा के साथ आप सामान्य वीडियो कॉल को साझा वर्चुअल एनवॉयरमेंट में बदल सकते हैं। कॉफी शॉप, छुट्टियां मनाने की जगह- अपना पसंदीदा वर्चुअल एनवॉयरमेंट चुनें।

•चैटिंग शुरू करें:ऐप खोलते ही आप अपने संपर्कों से चैटिंग करना शुरू कर सकते हैं। आप अपने संपर्क में शामिल किसी भी व्यक्ति को व्यक्तिगत मैसेज भी भेज सकते हैं या ग्रुप चैट भी शुरू कर सकते हैं। खुद को व्यवस्थित रखने के लिए आप अपने ग्रुप चैट को नाम भी दे सकते हैं। अगर आपने किसी ऐसे व्यक्ति को जोड़ा है जो टीम्स का इस्तेमाल नहीं करता है तो भी वे एसएमएस टेक्स्ट मैसेज का इस्तेमाल करके सभी चैट देख सकते हैं और उनका जवाब भी दे सकते हैं।

•पोल में हिस्सा ले:माइक्रोसॉफ्ट टीम्स के पोलिंग फ़ीचर का इस्तेमाल करके आप अपने दोस्तों या परिवार के साथ मिलकर बहुत ही आसानी से अपने फैसले ले सकते हैं। अपनी टीम्स चैट में पोल पोस्ट करें और तुरंत लोगों की राय जानें कि डिनर के लिए क्या ऑर्डर किया जा सकता है या दादीमां की जन्मदिन की पार्टी के लिए कब कनेक्ट किया जा सकता है!

ऑनलाइन लूडो आपके कौशल को बढ़ाएगा

दिल्ली। ऑनलाइन लूडो ऑनलाइन गेमर्स के बीच लोकप्रियता हासिल कर रहा है, खासकर उनके लिए जो प्रतिस्पर्धी कौशल-आधारित गेम खेलना चाहते हैं। ऑनलाइन गेम एक बोर्ड गेम की तरह है, जिसमें मुख्य अंतर कौशल, मस्तिष्क के उपयोग और जीतने की रणनीति है। उदाहरण के लिए, लूडो सुप्रीम में, जो अभी सबसे लोकप्रिय कौशल-आधारित लूडो खेलों में से एक है, खेल के परिणाम को निर्धारित करने वाले प्रमुख कारक हैं- खिलाड़ी की निर्णय लेने की क्षमता, रणनीति और समझ।

IndiaTech.org के सीईओ रमीश कैलासम ने कहा, "भारत में मनोरंजन, पुनर्गठन और सामाजिक जुड़ाव के लिए लूडो, कैरम, सपसीदी और शतरंज जैसे सामाजिक और सांस्कृतिक खेलों का एक लंबा और समृद्ध इतिहास है। आधुनिक तकनीक ने इन खेलों को ऑनलाइन पुनर्जीवित किया है। ये खेल मुख्य रूप से कौशल-उन्मुख होते हैं, उनके प्रारूप में आवश्यक परिवर्तन के साथ, दो-खेल और पे-टू-प्ले सहित, संयोग से जीतने की कम संभावना के साथ रणनीतियों को बनाने के लिए समय-सीमा, चालों को छोड़ने का विकल्प, गेम खोलने के लिए एक निश्चित संख्या पर निर्भरता को समाप्त करने और अन्य जैसे सरल परिवर्तनों ने भाग्य से जीतने की संभावना कम कर दी है और कौशल वरीयता में वृद्धि की है। नए उपयोगकर्ताओं को साइन अप के समय गेम खेलने के तरीके के बारे में प्रशिक्षित किया जाता है, प्रशिक्षण गेम खेलने के लिए स्वतंत्र हैं। फिर उपयोगकर्ताओं को सीखने, अपने कौशल में सुधार करने और अपने कौशल और रणनीतियों के आधार पर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। "उन्होंने आगे कहा, "इसलिए इस प्रकार के ऑनलाइन गेम ऑनलाइन कौशल-आधारित गेम की श्रेणी में आते हैं और इसकी तुलना किसी भी तरह से जुए से नहीं की जा सकती है। बदलती प्रौद्योगिकियों, सूचना की गहरी समझ और किसी भी संभावित विनियमन का विश्लेषण करने की तत्काल आवश्यकता है। साथ ही, इनोवेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम को सपोर्ट करना महत्वपूर्ण है।"

अर्था उद्यम फंड ने 220 करोड़ से अधिक के डेब्यू फंड के अंतिम समापन की घोषणा की

मुंबई, भारत - भारत के पहले प्रारंभिक चरण के माइक्रो वीसी फंड, वेंचर फंड (एवीएफ) ने रु। 220 करोड़ रुपये से अधिक के डेब्यू फंड के अंतिम परिसमापन की घोषणा की है। फंड ने B2B, B2C / D2C सेक्टर और D2C एनेबलर्स में निवेश किया है और रुपये जुटाए हैं। 200 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य था। हालांकि, भारतीय स्टार्टअप से ब्याज में वृद्धि और सीड + फंड के शुरुआती निवेश के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने एवीएफ को अपना लक्ष्य बढ़ाने के लिए मजबूर किया और ग्रीनशो विकल्प का उपयोग कर रहा है। AVF श्रेणी I एक वैकल्पिक निवेश फंड है जो सीड, प्री-सीरीज़ और ग्रोथ सीरीज़ A प्रत्येक में निवेश करता है।

फंड ने जुलाई 2021 में अपने फंड को बंद करने का लक्ष्य रखा था लेकिन तय समय से दो महीने पहले ही उन्होंने अपने लक्ष्य से ज्यादा हासिल कर लिया है। 50 से अधिक लिमिटेड पार्टनर्स (एलपी) ने फंड में भाग लिया है, जिनमें से लगभग आधे एलपी ने पिछले 3 महीनों में अपनी निवेश प्रतिबद्धताओं में वृद्धि की है। 50% से अधिक निवेश पारिवारिक कार्यालयों और 20 से अधिक भाग लेने वाली कंपनियों से सीधे या प्रवर्तकों के माध्यम से आता है। एनआरआई, एचएनआई, सुपर एंजल्स और सिडबी ने शेष पूंजी का निवेश किया। फंड ने अपने फंड का 65% से अधिक फॉलो-ऑन राउंड के लिए आवंटित किया और प्रति वर्ष 12 से अधिक बीजों का निवेश करेगा।

अर्थ वेंचर फंड के मैनेजिंग पार्टनर अनिरुद्ध ए. दमानी ने कहा, "हमारे निवेशकों ने हमारी निवेश रणनीतियों में जो विश्वास दिखाया है, उससे मैं खुश हूं।" तय समय से सिर्फ दो महीने पहले हमारे लक्ष्य को हासिल करने के अलावा, हमारे पहले एलपी समर्थकों के लगभग 50% के एक समूह ने अपने पिछले निवेश को दोगुना कर दिया है। कई लोगों ने हमें अपने नेटवर्क में रेफर किया है। मैं अपने निवेश परिवार में प्रत्येक एलपी का स्वागत करता हूं। इसमें उनका निवेश और हमारे फंड का उनके नेटवर्क में आगे बढ़ना हमारे फंड की रणनीति का एक स्पष्ट संकेत है और संरचना उनके गहरे स्तरों के अनुकूल लगती है।"

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बादाम खाने का संकल्प लेकर स्वस्थ और प्रसन्न रहें

हम हर साल 21 जून को अंतर्राष्ट्री य योग दिवस मनाते हैं। यह समग्र जीवनशैली अपनाने की जरूरत पर बेहतर जागरूकता को बढ़ावा देने के लिये है और योग करने के कई लाभों पर जोर देता है। योग व्या याम का प्राचीन रूप है, जिसका जन्मे भारत में हुआ था और यह शारीरिक, मानसिक और भावनात्मकक स्वापस्हा को संतुलित रखता है। पिछले कुछ वर्षों से, विभिन्नह देशों में अंतर्राष्ट्री य योग दिवस बड़े जोर-शोर से मनाया जा रहा है, जहाँ इसका सार्वजनिक प्रदर्शन भी होता है। हालाँकि, मौजूदा कोविड-19 महामारी ने कई लोगों के जीने के तरीके को बदल दिया है। तो मौजूदा स्थिति को देखते हुए, इस साल की थीम है, 'घर पर योग और परिवार के साथ योग', जो दुनिया भर में परिवारों के दैनिक जीवन में योग को शामिल करने की आवश्य कता पर केन्द्रित है, ताकि उनकी जीवनशैली ज्या दा स्वकस्थन, तंदुरूस्तर और तनाव-मुक्ते हो।

आहार में मुट्ठीभर बादाम को शामिल करना बहुत अच्छी पहला कदम है, क्योंकि बादाम स्नैतकिंग का पोषक विकल्पे हैं और नियमित रूप से बादाम खाने से हृदय के स्वोस्थन , डायबीटीज और वजन पर नियंत्रण तथा त्व चा के स्वास्थऔर से सम्बंधित कई फायदे मिलते हैं और इम्युन सिस्ट म भी मजबूत रहता है।

स्वास्थऔर कर जीवनशैली अपनाने के महत्वद पर बॉलीवुड की अग्रणी अभिनेत्री सोहा अली खान ने कहा कि, "मुझे योग करना बहुत पसंद है और मेरा मानना है कि यह विज्ञान और अध्यात्मन का मेल है। लेकिन मुझे यह भी पता है कि इस मेल को पाने में सहायता करने वाला मुख्यन कारक तत्व स्वाधस्थ् कर आहार है। संतुलित और पोषक भोजन लेना हमेशा से मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकता है और मैं सुनिश्चित करती हूँ कि मेरा परिवार भी यही करे। इसके लिये मैं अपने दिन की शुरूआत मुट्ठी भर बादाम खाकर करती हूँ क्योंकि बादाम पोषक-तत्वों से भरपूर होते हैं और ऊर्जा देने के लिये जाने जाते हैं। इसके अलावा, बादाम में विभिन्नि पोषक-तत्वत होते हैं, जैसे कि कॉपर, जिंक, फोलेट आयरन और विटामिन ई', जो इम्युन फंक्श न को सहयोग देते हैं और इसलिए बादाम मेरे लिये जरूरी बन जाता है।"

28 जून से शुरू होगा विम्बलडन, फाइनल में शत-प्रतिशत दर्शकों को मिलेगी प्रवेश की अनुमति

लंदन । अगले महीने होने वाले विम्बलडन में महिला और पुरूष फाइनल में शत प्रतिशत यानी 15000 दर्शकों को सेंटर कोर्ट पर प्रवेश की अनुमति रहेगी। पिछले साल कोरोना महामारी के कारण यह ग्रैंडस्लैम मुकाबला रद्द हो गया था। ग्रासकोर्ट ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिता विम्बलडन 28 जून से शुरू होगी, जिसमें शुरूआज में 50 प्रतिशत दर्शकों को ही प्रवेश की अनुमति मिलेगी, लेकिन 10 और 11 जुलाई को होने वाले महिला और पुरूष एकल फाइनल में शत प्रतिशत दर्शकों को प्रवेश की अनुमति होगी। ब्रिटिश सरकार ने घोषणा की कि यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप और अन्य खेल आयोजनों में भी दर्शकों की संख्या बढा दी गई है। संस्कृति मंत्री ओलिवर डोडेन ने एक बयान में कहा हम यह साबित करना चाहते हैं कि किस तरह बड़े आयोजन सुरक्षित तरीके से संपन्न करा सकते हैं। अब अधिक संख्या में दर्शक यूरो और विम्बलडन का मजा ले सकेंगे।

भारत-न्यूजीलैंड विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में बाधा बन सकती है बारिश

मैच ड्रॉ या टाई होता है तो दोनो टीमें बनेंगी संयुक्त विजेता

साउथेम्पटन (एजेंसी)।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 18 जून से यहां होने वाले पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले पर खतरा मंडरा रहा है। इस महामुकाबले में बारिश बाधा बन सकती है। अगर ऐसा हुआ तो दोनो ही टीमों को संयुक्त विजेता घोषित कर दिया जाएगा पर इस मुकाबले का इंतजार कर रहे प्रशंसकों को निराशा होगा क्योंकि वे इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस मैच में अब केवल तीन दिन का समय है। इस मुकाबले को लेकर खिलाड़ी, प्रशंसक, विशेषज्ञ और क्रिकेट दिग्गज सभी बहुत उत्साहित हैं। हर कोई जीत और खिलाड़ियों को लेकर अपनी-अपनी भविष्यवाणी कर रहा है पर बारिश इनकी उम्मीदों पर पानी फेर सकती है। इसका कारण है कि 18 से 22 जून के बीच इंग्लैंड में बारिश की चेतावनी दी गयी है। मौसम विभाग के अनुसार साउथेम्प्टन के रोज बाउल में 18 जून से शुरू हो रहे भारत और न्यूजीलैंड टेस्ट के बीच पूरे पांच दिनों के दौरान बारिश हो सकती है। अगर ऐसा हुआ तो भारतीय टीम के दो कप्तान विराट कोहली और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन को उद्घाटन आईसीसी डब्ल्यूटीसी ट्रॉफी साझा करनी पड़ सकती है। आईसीसी ने 23 जून को टेस्ट के लिए आरक्षित दिन के रूप में अलग रखा है। अगर दोनों को संयुक्त रूप से विजेता घोषित किया जाएगा। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने साउथेम्प्टन के लिए एक मौसम पूर्वानुमान पोस्ट किया, जिसमें 23 जून को रिजर्व डे सहित उन दिनों के दौरान बारिश की 70-80 फीसदी संभावना जतायी है जिनमें यह मुकाबला खेला जाना है। मौसम विभाग के अनुसार साउथेम्प्टन में 17 और 18 जून को गरज के साथ बारिश की संभावना 80 फीसदी है। दोनों दिन आंधी-तूफान चेतावनी भी जारी की गई है। दूसरे दिन बादल छाए रहने की उम्मीद है, लेकिन बारिश की संभावना कम है जबकि 1.5 घंटे बारिश होगी। सभी पांच दिनों के लिए रुक-रुक कर बारिश की भविष्यवाणी की गई है।

ऐसे में बारिश की संभावना एक समस्या पैदा करती है। यह न केवल उद्घाटन आईसीसी डब्ल्यूटीसी फाइनल और परिणाम को खतरे में डालेगा बल्कि 17 जून को बारिश के पूर्वानुमान के साथ दोनों टीमें 17 जून को महत्वपूर्ण अभ्यास भी नहीं कर पाएंगी। इसके अलावा, रात में भारी बारिश आउटफील्ड और पिच को प्रभावित कर सकती है, जिससे दोनों कप्तानों कोहली और विलियमसन के लिए रणनीति में बदलाव हो सकता है।

भारतीय मूल के एजाज को मिली न्यूजीलैंड टीम में जगह

मुम्बई (एजेंसी)।

भारत के साथ होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल मैच के लिए न्यूजीलैंड टीम में शामिल बल्लेबाज एजाज पटेल भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं। एजाज का परिवार साल 1996 में मुम्बई से न्यूजीलैंड चला गया था। उस समय एजाज आठ साल के थे। एजाज का पूरा नाम एजाज यूनुस पटेल है और इनका जन्म 21 अक्टूबर 1988 को मुंबई में हुआ था। पहले वे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज थे। एजाज ने न्यूजीलैंड के घरेलू क्रिकेट में सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के लिए खेलते हुए अक्टूबर 2018 में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। इसके बाद अगले महीने (नवम्बर 2018) उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया। अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए मई 2020 में न्यूजीलैंड क्रिकेट ने उन्हें 2020-21 सत्र से पहले एक केंद्रीय अनुबंध में शामिल किया था। जुलाई 2018 में पटेल को पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड के टेस्ट टीम में जगह दी थी। अक्टूबर 2018 में, उन्हें न्यूजीलैंड के ट्वेंटी 20 अंतर्राष्ट्रीय (टी20ई) टीम में शामिल किया गया था। उन्होंने 31 अक्टूबर 2018 को पाकिस्तान के खिलाफ न्यूजीलैंड के लिए अपना डेब्यू टी20 इंटरनेशनल मैच खेला। उसी दौरे के दौरान उन्हें न्यूजीलैंड की एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम में भी शामिल किया गया था पर इस गेंदबाज को खेलने का अवसर नहीं मिला। उन्होंने अब तक 9 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 2.7 के औसत के साथ 26 विकेट लिए हैं। इस दौरान उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी 59 रन देकर पांच विकेट रही है।

जर्मन ओपन में मैडिसन कीज का जीत आगाज

बर्लिन : मैडिसन कीज ने जर्मन ओपन में अपने अभियान का आगाज पोलैंड की क्वालीफायर खिलाड़ी मेगडालीना फ्रेच के खिलाफ 6-3, 6-4 से जीत से किया। डब्ल्यूटीए रैंकिंग में 28वें स्थान पर काबिज अमेरिका की कीज ने 6 में 4 ब्रेक प्वाइंट बचाने के साथ तीन एसेज लगाए। अगले दौर में उनका सामना शीर्ष वरीय आर्यना साबालेंका से होगा। अगले महीने होने वाले विम्बलडन की तैयारियों के तौर देखे जाने वाले इस टूर्नामेंट में अमेरिका की एक अन्य खिलाड़ी अमांडा एनिसिमोना को एलिजे कोर्नेट से हार का सामना करना पड़ा। फ्रांस की कोर्नेट ने इस मुकाबले को 6-3, 6-1 से जीता। अगले दौर में उनका सामना कनाडा की बियांक आद्रेस्क्यू से होगा। रूस की दो खिलाडियों के मुकाबले में एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने अन्ना कालिन्स्काया को 6-3, 6-2 से हराया। अलेक्जेंड्रोवा दूसरे दौर में एलिना स्वितोलिना से भिड़ेंगी। बेलिंदा बेनसिच ने एक सेट से पिछड़ने के बाद स्थानीय क्वालीफायर जूल नीमियर को 4-6, 6-4, 7-5 को हराया।

राष्ट्रमंडल खेल 2022 की महिला टी20 प्रतियोगिता 29 जुलाई से सात अगस्त तक

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

राष्ट्रमंडल खेल 2022 की महिला टी20 प्रतियोगिता का आयोजन एजबस्टन स्टेडियम में 29 जुलाई से सात अगस्त तक किया जाएगा जिसकी घोषणा आयोजकों ने मंगलवार को की। महिला टी20 प्रतियोगिता राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार खेली जाएगी। आठ टीमों की प्रतियोगिता के ग्रुप चरण के मुकाबले चार अगस्त तक होंगे जबकि सेमीफाइनल छह अगस्त को खेले जाएंगे। कांस्य पदक का मुकाबला सात अगस्त को होगा जबकि इसी दिन खिताबी मुकाबला भी खेला जाएगा। खेलों की आधिकारिक वेबसाइट पर कहा गया कि तैराकी और गोताखोरी के 11 दिन, क्रिकेट के आठ दिन, जिम्नास्टिक के आठ दिन और मैराथन सहित एथलेटिक्स के सात दिन, 2022 की गर्मियों में शानदार खेल होंगे। यह सिर्फ दूसरा मौका होगा जब क्रिकेट को इन खेलों में जगह दी जाएगी। इससे पहले 1998 में कुआलालंपुर में हुए खेलों में पुरुषों के 50 ओवर के टूर्नामेंट को जगह दी गई थी। एक अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की रैंकिंग की शीर्ष छह टीमों के अलावा मेजबान इंग्लैंड को टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश मिलेगा। आईसीसी नवंबर में ही इसकी घोषणा कर चुका है। भारतीय महिला टीम अभी आईसीसी रैंकिंग में आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बाद दूसरे स्थान पर चल रही है। राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 19 खेलों की प्रतियोगिताएं होंगी और पुरुषों की तुलना में महिलाओं की स्पर्धाओं में अधिक पदक दांव पर लगे होंगे जो इन खेलों के इतिहास में पहली बार होगा।

संक्षिप्त समाचार

कोपा अमेरिका : मेस्सी की अर्जेंटीना को चिली ने ड्रॉ पर रोका

रियो डि जिनेरियो । लियोनेल मेस्सी के फ्री किक पर शानदार गोल के बावजूद चिली ने कोपा अमेरिका फुटबॉल के पहले मैच में अर्जेंटीना को 1-1 से ड्रॉ पर रोका। निल्टन सांतोस स्टेडियम पर खेले गए इस मैच से पहले अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर डिएगो माराडोना को श्रृद्धांजलि दी गई जिनका 60 वर्ष की उम्र में नवंबर में निधन हो गया था। इस महीने के आखिर में 34 वर्ष के हो रहे मेस्सी के पास शायद कोपा अमेरिका के रूप में अर्जेंटीना के लिए खिताब जीतने का आखिरी मौका है। उन्होंने पहले मैच से पूर्व कहा था कि राष्ट्रीय टीम के लिए खिताब जीतना उनका सबसे बड़ा सपना है। बार्सीलोना के लिए वह कई क्लब खिताब जीत चुके हैं। मेस्सी ने 33वें मिनट में फ्री किक पर चिली के डिफेंस को छकाते हुए शानदार गोल किया। अर्जेंटीना ने चोटिल स्ट्राइकर एलेक्सिस सांचेज के बिना भी चिली पर दबाव बनाए रखा। दूसरे हाफ में हालांकि चिली की टीम ने शानदार वापसी की और वीडियो रिव्यू पर एक पेनल्टी हासिल की। आर्टुरो विडाल का शॉट गोलकीपर ने रोक लिया लेकिन एडुआर्डो वर्गास के रिबर्स शॉट पर चिली ने 57वें मिनट में बराबरी का गोल किया। मेस्सी आखिर तक गोल करने के मौके बनाते रहे लेकिन दूसरे छोर से उन्हें सहयोग नहीं मिला। अर्जेंटीना को अब शुक्रवार को उरूग्वे से खेलना है जबकि चिली का सामना बोलिविया से होगा। पराग्वे की टीम सोमवार को अर्जेंटीना से खेलेगी।

यूरो 2020 : स्लोवाकिया ने पोलैंड को 2-1 से हराया

सेंट पीटर्सबर्ग : स्लोवाकिया के डिफेंडर मिलान क्रिनियार ने रॉबर्ट लेवांडोवस्की को गोल करने से रोकने के बाद विजयी गोल दागकर टीम को यूरो फुटबॉल चैम्पियनशिप 2020 में पोलैंड पर 2-1 से जीत दिलाई। मिलान ने जीत में विजयी गोल दागा। बायर्न म्युनिख के स्ट्राइकर लेवांडोवस्की एक बार फिर फॉर्म के लिए जूझते नजर आए और एक भी बेदाग मौका नहीं बना सके। अब उनके विश्व कप या यूरोपीय चैम्पियनशिप के 12 मैचों में दो ही गोल हैं। वहीं मिलान ने 69वें मिनट में गोल दागा। उन्होंने कहा कि मेरा काम डिफेंस है लेकिन गोल हो जाए तो क्या बात है। लेवांडोवस्की दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकरों में से है और हम उनके लिए पूरी तैयारी के साथ उतरे थे। लेवांडोवस्की को मैच में तीन मौके मिले लेकिन वह गोल में नहीं बदल सके।

जोकोविच ने 19वां ग्रैंड सलेम जीतने के बाद युवा प्रशंसक को गिफ्ट किया रैकेट, कहा- वह सर्वश्रेष्ठ है

पेरिस (एजेंसी) ।

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच अपना 19वां ग्रैंड सलेम खिताब जीतने के बाद एक युवा प्रशंसक को ऐसा गिफ्ट दिया जिस वह शायद ही जिंदगी भर भुल पाएगा। जोकोविच ने युवा प्रशंसक को अपना रैकेट गिफ्ट में दिया है। जोकोविच से रैकेट मिलते ही खुशी युवा फैन ने अपने ही अंदाज में व्यक्त की। जोकोविच ने फ्रेंच ओपन के फाइनल में पांचवीं सीड यूनान के स्तेफानोस सितसिपास को चार घंटे 11 मिनट चले कड़े मुताबिक में 6-7, 2-6, 6-3, 6-2, 6-4 से हराकर वर्ष के दूसरे ग्रैंड स्लेम फ्रेंच ओपन खिताब पर कब्जा किया। सर्बियाई खिलाड़ी ने युवा प्रशंसक को रैकेट देने के बाद कहा कि मैं इस लडके को नहीं जानता लेकिन वह पूरे मैच के दौरान जैसे मेरे कान में कुछ न कुछ कहता रहा खास तौर पर जब मैं 2 सेट से पीछे था। जोकोविच ने कहा कि वह (युवा प्रशंसक) लगातार मेरा उत्साह बढ़ाता रहा। वह वास्तव में मुझे रणनीति देता रहा जैसे अपनी सर्विस कायम रखो, पहली बॉल को आसानी से खेलो और उसके बाद प्रहार करो और उस (सितसिपास) पर दबाव बनाओ। नंबर एक खिलाड़ी ने कहा कि दूसरे शब्दों में कहूं तो वह मुझे कोचिंग दे रहा था। मुझे यह सब देखकर बहुत अच्छा लगा। मैच के बाद मैंने महसूस किया कि वह सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति है जिसे मैं अपना रैकेट दे सकता हूं।

यूरो 2020 : स्पेन और स्वीडन ने गोलरहित ड्रॉ खेला

सेविले । स्पेन और स्वीडन दोनों को यूरो फुटबॉल चैम्पियनशिप के मैच में गोल करने के कई मौके मिले लेकिन कोई उन्हें भुना नहीं सका और मैच गोलरहित ड्रॉ पर छूटा। स्पेन ने गेंद पर नियंत्रण में बाजी मारकर दबाव बनाए रखा लेकिन स्वीडन ने उसे गोल करने का मौका नहीं दिया। स्वीडन ने भी कुछ मौके बनाए लेकिन गोल में नहीं बदल सके। स्पेन ने गेंद पर 75 प्रतिशत कब्जा रखा और 17 प्रयास किए जिनमें से पांच गोल पर थे लेकिन फिनिशिंग तक नहीं जा सके। स्वीडन ने चार प्रयास किए और सभी नाकाम रहे। स्पेन यूरो चैम्पियनशिप के आखिरी 14 ग्रुप मैच में से एक ही में गोल करने में नाकाम रहा है। वहीं स्वीडन ने पिछले 17 अंतरराष्ट्रीय मैचों में एक भी ड्रॉ नहीं खेला था। ग्रुप के अन्य मैचों में स्लोवाकिया ने पोलैंड को 2 -1 से हराया।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर भारत बनेगा चैंपियन : टिम पेन

मेलबर्न।

ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान टिम पेन को यकीन है कि पहले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर भारत विजयी बनेगा। दुनिया की शीर्ष दो टेस्ट टीमें भारत और न्यूजीलैंड 18 जून से साउथेम्प्टन में फाइनल मुकाबले में उतरेंगी। इस टूर्नामेंट पर लेकर क्रिकेटरों, क्रिकेट से जुड़े लोगों और दर्शकों की की नजरें लग गई हैं। इनमें से अधिकांश लोग, परिस्थितियां न्यूजीलैंड के पक्ष में बता रहे हैं। इसकी बड़ी वजह यह है कि इंग्लैंड के हालात काफी हद तक न्यूजीलैंड से मिलते-जुलते हैं। ऐसे में न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों को खुद को इन परिस्थितियों में ढालने के लिए ज्यादा मुश्किल नहीं होगी। इसके अलावा वे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले दो मैचों की टेस्ट सीरीज में मेजबान इंग्लैंड से खेल रहे हैं। वहीं, भारतीय क्रिकेट टीम 3 जून को इंग्लैंड पहुंची है। इसके बाद उन्हें जरूरी क्वारंटीन में रहना पड़ा। इसके बाद टीम इंडिया इंटर स्क्वॉयड मैच ही खेल रही है। भारत को इस पिच पर ढालने का मौका नहीं मिला है, लेकिन इस सबके बावजूद टिम पेन का कहना है कि भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप को आसानी से जीत जाएगा। टिम पेन ने ब्रिसबेन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा मेरा अनुमान है कि भारत आसानी से जीत जाएगा बशर्ते वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। टिम पेन ने न्यूजीलैंड और भारत दोनों के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की है। उन्होंने 2019 में न्यूजीलैंड को 3-0 से हराया, जबकि 2020 में भारत के हाथों 1-2 से पराजय का सामना किया। न्यूजीलैंड ने फाइनल से पहले इंग्लैंड को टेस्ट सीरीज में 1-0 से हराया है, लेकिन टिम पेन का कहना है कि प्रमुख खिलाड़ियों के बिना उतरी इंग्लैंड टीम पर मिली जीत मायने नहीं रखती है। इंग्लैंड टीम में बेन स्टोक्स, क्रिस वोक्स, मोइन अली, जोस बटलर, जोफा आर्चर और विकेटकीपर बेन फोक्स नहीं थे। टिम पेन ने कहा न्यूजीलैंड की टीम अच्छी है, लेकिन इंग्लैंड की यह सर्वश्रेष्ठ टीम नहीं थी। एशेज में हमें उनकी सर्वश्रेष्ठ टीम देखने को मिलेगी।

रानी रामपाल ने कहा- कोविड योद्धाओं के लिए ओलिम्पिक पदक जीतना लक्ष्य

बेंगलुरू (एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल ने मंगलवार को कहा कि उनकी टीम आगामी ओलिम्पिक खेलों में ऐतिहासिक पदक जीतने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी और उन्होंने इसे कोविड-19 योद्धाओं को समर्पित किया जो महामारी के समय अपने जीवन को जोखिम में डाल रहे हैं। रानी ने साथ ही बताया कि यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में ट्रेनिंग कर रहे कोर संभावित खिलाड़ियों का इस हफ्ते चयन ट्रायल होगा जिसके बाद टोक्यो खेलों के लिए टीम का चयन किया जाएगा। टोक्यो ओलिम्पिक 23 जुलाई से शुरू होंगे। रानी ने कहा कि देश के पुरुषों और महिलाओं जिन्होंने महामारी के दौरान जीवन बचाने के लिए कई बलिदान दिए उनके लिए टोक्यो खेलों में जीतना टीम के लिए शानदार होगा। उन्होंने कहा कि यह ओलिम्पिक अतीत के ओलिम्पिक की तरह नहीं होंगे। हमारे देश को मुश्किल हालात का सामना करना पड़ा है, हमें अपने डॉक्टरों और फ्रंटलाइन कर्मचारियों पर गर्व है जिन्होंने जीवन बचाने के लिए निस्वार्थ भाव से काम किया है। रानी ने कहा कि अब जब हम टोक्यो ओलिम्पिक खेल 2020 में पदक जीतने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं तब हम प्रतिज्ञा करते हैं कि हमारे प्रयास और उम्मीद करते हैं कि हमारी जीत डॉक्टरों, नर्सों और चिकित्सा सहायकों को समर्पित होगी जिन्होंने भारत में पिछले साल महामारी के फैलने के बाद से बिना थके काम किया है। उनके कारण हम सभी यहां हैं और सुरक्षित हैं। पिछले साल राष्ट्रीय लॉकडाउन के दौरान टीम ने आर्थिक रूप से वंचित तबके के 1000 से अधिक परिवारों के लिए कोष जुटाने में मदद की थी। खिलाड़ियों ने 21 दिन के आनलाइन फिटनेस चैलेंज के जरिए 20 लाख रुपए से अधिक जुटाए थे। रानी ने कहा कि टोक्यो ओलिम्पिक में अब 40 दिन से कम का समय बचा है और ऐसे में वह और टीम के उनके साथी प्रत्येक ट्रेनिंग सत्र का फायदा उठाना चाहती हैं।

विदेशी क्रिकेटरों की पसंद बन रहे भारतीय हेलमेट

नई दिल्ली। क्रिकेट के खेल में हेलमेट का अहम स्थान है। इससे खिलाड़ी सिर में लगी चोट से बच जाते हैं। अब भारतीय हेलमेट दुनिया भर के क्रिकेटरों की पसंद बनते जा रहे हैं। जालंधर के श्रेय स्पोर्ट्स के तैयार किए हुए हेलमेट ना सिर्फ भारत के खिलाड़ी बल्कि विदेशी क्रिकेटर भी पहन रहे हैं। समय के साथ ही इन हेलमेटों में कई बदलाव भी आये हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर की बात करें तो 60 से 70 प्रतिशत तक ये हेलमेट इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड के क्रिकेटर पहनते हैं। दिवंगत ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर फिल ह्यूज की मौत के बाद हेलमेट के साथ नेकगार्ड को भी लाया गया। यह गेंद को खिलाड़ी के सिर के पीछे लगने से बचाता है, क्योंकि हेलमेट पूरा नीचे तक नहीं होता। ऐसे में गेंद के गर्दन की तरफ लगने का खतरा बना रहता है। नेकगार्ड खिलाड़ियों की सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए लाया गया है। ह्यूज को सिर के पीछे गेंद लगी थी। कंपनी के प्रमोटर के अनुसार इंटरनेशनल ब्रांड होने के कारण हमारे लिए खिलाड़ियों की सुरक्षा सबसे पहले है। इसलिए हमने आईसीसी और इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के साथ मिलकर नए सुरक्षा स्तर लॉन्च किए थे। इन्हें ब्रिटिश सेफ्टी स्टैंडर्स कहा जाता है। इसके तहत यह फैसला हुआ था कि अब मार्केट में जो भी हेलमेट आएगा, वह टेस्ट किया हुआ होगा और स्टीफाइड होगा। कोई भी खिलाड़ी टेस्ट किया हुआ हेलमेट पहनकर ही क्रिकेट के मैदान पर उतर सकता है। अगर खिलाड़ी का हेलमेट टेस्ट नहीं किया हुआ है तो वह मैदान पर खेलने नहीं उतरेगा।

भाजपा नेताओं व मनपा कमिश्नर के सियासत का भोग बन रहे अरजदार

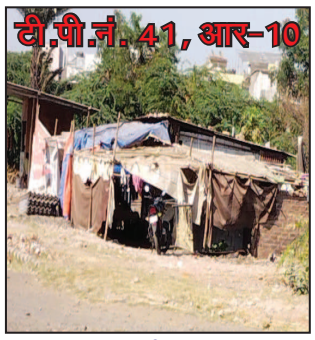

रिजर्वेशन व सी.ओ.पी. तथा मार्जिंग वाली जगह पर अवैध बांधकाम कर कब्जा करते भूमाफिया

सूरत भूमि, सूरत ।

सूरत शहर के लिंबायत जोन की टी.पी.नं 41 आर-10 में जो झोपड़ी-जुग्गी बनाकर जमीन पर कब्जा जताया जा रहा हैंऑ आज भी वह जमीन रीजर्वेशन-10 ओनलाइन नक्सा देखने पर अस्पष्ट दिखाई दे रहा हैं। लिंबायत जोन के अधिकारीयों द्वारा कब्जे की जगह पर नोटीस तो दिया गया हैं। जिस नोटीस में आर-10 की चर्चा की गई हैं। परन्तू मिलकत कब्जा करनेवाला का नाम नहीं दर्शाया गया। जिससे अस्पष्ट साबित होता हैं की इस कब्जे की कामगिरी में यानी सरकारी जमीन पर कब्जा जतानेवाले व्यक्ति का सहयोग जोन के अधिकारी और भाजपा नेता कर रहैं हैं। क्योंकि जब कभी लिंबायत जोन के जोनल अधिकारी से तथा कार्यपालक इजनेर चौहान से ऐसे तमाम विषय में बातचीत किया जाता हैं। तो वो अपनी मजबूरी बताकर दबे मन से बोलते हैं की क्या करूं चलो मैं तपास कर लेता हुं जब कि यह तपास वर्षो से करवा रहें हैं। क्षेत्र में इस तरह की चर्चा चल रही हैं कि गुजरात में जो भी संविधान बनाया गया हैं। उसका सेवन सिर्फ गरीबो को करना पडता हैं।

पुजींपतीयों, नेताओं, बुटलेगरों, व भू माफियाओं को नहीं जैसे नशाबंदी होने के बावजूद हर पुलिस स्टेशन की हद में सैंकड़ो अड्डे चलाएँ जा रहें हैं। जहां पर प्लास्टीक बेन होने के बावजूद भी सैकड़ो किलो प्लास्टीक की थैली पड़ी रहता हैं और हर अड्डे सोसायटी की सी.ओ.पी., मार्जिंग तथा सरकारी जमीनो में चलाई जाती है यहाँ तक की मिली जानकारी के अनुसार बुटलेगरों द्वारा लाखो रूपए महिनें का भाडा दिया जाता हैं जो नेताओं और अधिकारीओं की तिजोरी में जाता हैं न कि उस जगह पर चला रहें धंधेवालों से प्लास्टीक बेन का दंड वसूला जाता हो और प्रोफेशनल टेक्स की वसूली कर सरकारी तिजोरी में जमा नहीं किया जाता तो अब ठीक इसी तरह देखा जाए तो जगह जगह पर चल रहें लिंबायत जोन डिंडोली गाम खाड़ी के पास सरस्वती नगर के पीछे की खाली जगह में पहले कब्जे के तौर पर पतरे का मकान बनाया गया जिसे जोन के कर्मचारी एक दो मकान का डेमोलेशन कर उसमें महालक्ष्मी को-ओपरेटीव सोसायटी के नाम से नॉन-टाईटल क्लीयर जगह में पक्का भीम कोलम वाला मकान बनाने का छुठ दे दिए।

ठीक इसी तरह डिंडोली की प्रियंका सोसायटी एपार्टमेन्ट के एक तरफ जहाँ पानी की टंकी थी वहीं एपार्टमेन्ट के लोग गाड़ी पार्किंग, पुजा पाठ के लिए इस्तेमाल करते थे उस जगह से काफी दूर करके शॉपींग का निर्माण कर दिया गया उसी तरह बिल्डींग की दूसरी तरफ की खाली जगह में ग्राउन्ड + 1 माड़ में 20 शॉपींग दूकान का निर्माण किया गया हैं जिस निर्माण कार्य के लिए बिल्डर को मनपा के परमिशन की जरूरत नहीं पड़ी।

ठीक इसी तरह डिंडोली करड़वा रोड पर बजरंग नगर सोसायटी विभाग-1 में रोड के ठीक सामने सी.ओ.पी. वाले जगह में बांधकाम किया गया हैं। जिस विषय में सोसायटी के लोगों द्वारा तथा अन्य लोगों द्वारा भी आवेदन दिया गया जिस पर अधिकारीयों द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई बल्कि अरजदार की अरजी पर हीयरींग करके अरजदार को बिल्डर के सामने खड़ा कर दिया गया इससे तो यही साबित होता हैं कि माल खाए काजी मियां धक्का सहे मुजावर यानी माल मलाई अधिकारी ले मार खाए अरजदार अब देखना हैं की ऐसी तिखी प्रक्रिया करने के बाद अवैद ढंग से चल रहे कार्यों पर कार्यवाही होती हैं या नहीं ?

गुजरात में अब लव जिहाद का कानून लागू : सख्त प्रावधान

गांधीनगर ।

विधर्मी युवकों द्वारा हिन्दू युवतियों को शादी की लालच देकर धर्म परिवर्तन की प्रवृत्ति रोकने के लिए विधानसभा से पारित किया गया लव जिहाद (गुजरात धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम) कानून आज से गुजरात में लागू हो चुका है । पहले उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश जैसे राज्यों में यह कानून लागू किया जा चुका है । गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने धर्म स्वातंत्र्य संशोधन विधेयक २०२१ बिल पेश किया गया था । जिस विधानसभा से पास होने के बाद राज्यपाल आचार्य देवव्रत के पास गया । जो मंजूर होने के बाद सरकार ने नोटिफिकेशन जारी किया । आज से धर्म की स्वतंत्रता अधिनियम २०२१ को लागू हो चुका है । गुजरात सरकार ने यह कानून में ५ वर्ष तक की सजा और २ लाख रुपया जुर्माना, जबकि किशोर के साथ अपराध में ७ वर्ष की सजा और ३ लाख रुपये के जुर्माने का प्रावधान किया गया है । इसके अलावा अनुसूचित जाति, जनजाति की महिला के साथ अपराध में ७ वर्ष का प्रावधान राज्य सरकार द्वारा किया गया है । लव जिहाद के मामले में नई धारा ३क शामिल किया गया है । जिसकी वजह से व्यक्ति विरूद्ध नाराज हुए इसके मां-पिता, भाई-बहन और खून के बचपन से दत्त विधान नहीं वाले कोई भी व्यक्ति अधिकार वाला व्यक्ति पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करा सकता है । इसके अलावा ऐसे मामले में मदद करने वाले व्यक्ति विरूद्ध भी कानूनी कार्रवाई होगी । इसके विरूद्ध गैरजमानती अपराध दर्ज होगा । इसकी जांच उप पुलिस अधीक्षक या इसके उच्च पदस्थ के पुलिस अधिकारी को करना होगा ।

शहर में परंपरागत रथयात्रा निकालने के लिए मंजूरी मांगी

गत वर्ष कोरोना की वजह से जगन्नाथजी की रथयात्रा भक्तों के बिना निकली थी, रथयात्रा को लेकर अभी अटकलें

अहमदाबाद ।

अहमदाबाद में भगवान ज गन्नाथजी की रथयात्रा निकलेगी की नहीं इस मामले में अभी अटकलें चल रही है । गत वर्ष कोरोना संक्रमण की वजह से जगन्नाथ की रथयात्रा भक्तों के बिना निकली थी । अब इस वर्ष रथयात्रा निकलेगी की नहीं यह बड़ा प्रश्न है । इस मामले में बैठकों का दौर शुरू हुआ है । अब भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा मामले में बड़ा समाचार सामने आया है । परंपरागत रथयात्रा निकालने के लिए पुलिस कमिश्नर से मंजूरी मांगी गई है । कोरोना संक्रमण के ५८ दिन के बाद अहमदाबाद का प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर दर्शन के लिए खुला रखा गया है । कोरोना की गाइडलाइन के पालन के साथ जगन्नाथ मंदिर भक्तों के लिए खोला गया है । तब इस बार अहमदाबाद में भगवान ज गन्नाथजी की रथयात्रा निकलेगी की नहीं इस मामले में अटकलें चल रही है ।

इस बीच मंदिर के ट्रस्टी द्वारा रथयात्रा के आयोजन मामले में अर्जी की गई है । जि समें परंपरागत रथयात्रा निकालने के लिए पुलिस कमिश्नर से मंजूरी मांगी गई है । रथयात्रा में रथ, भजन मंडली, गुजरात अखाडा के साथ आयोजन करने की मंजूरी मांगी गई है । जलयात्रा के साथ रथयात्रा की मंजूरी की पेशकश की गई है । सिर्फ रथ नहीं लेकिन रथ के साथ हाथी पर यात्रा में शामिल करने की मांग की गई है । हालांकि रथयात्रा मामले में निर्णय बाकी है लेकिन बैठकों का दौर बरकरार देखने को मिल रहा है । नाथ की नगरयात्रा के दर्शन करने के लिए शहरीजन उत्साहित देखने को मिल रहे है । उल्लेखनीय है कि, गत वर्ष कोरोना संक्रमण की वजह से जगन्नाथ की रथयात्रा भक्तों के बिना निकली थी । अब इस वर्ष रथयात्रा निकलेगी की नहीं यह बड़ा प्रश्न है ।

मुख्यमंत्री ने 15 दिनों में तैयार ऑक्सीजन रिफिलिंग प्लांट का किया ई-शुभारंभ

अहमदाबाद।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के मद्देनजर राज्य सरकार आगामी समय में ऑक्सीजन उत्पादन क्षमता को 1800 मीट्रिक टन तक बढ़ाकर गुजरात को ऑक्सीजन उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर बनाने का इरादा रखती है। पाटण स्थित हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात यूनिवर्सिटी के हवा से ऑक्सीजन बनाने वाले प्रेशर स्विंग एड्सॉर्प्शन (पीएसए) ऑक्सीजन प्लांट का मंगलवार को गांधीनगर से वर्चुअल लोकार्पण करते हुए उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात यूनिवर्सिटी की ओर से 60 लाख रुपए की लागत से मात्र 15 दिनों में तैयार इस ऑक्सीजन रिफिलिंग प्लांट से पाटण शहर, जिला और आसपास की तहसीलों में कोरोना महामारी के दौरान ऑक्सीजन की जरूरत पूरी हो सकेगी। 13 किलो लीटर तरल ऑक्सीजन उत्पादन की क्षमता वाले इस प्लांट से एक साथ 40 सिलेंडर भरे जा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान पूरे देश में मामलों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ी और ऑक्सीजन बेड एवं ऑक्सीजन की काफी बड़े पैमाने पर जरूरत पैदा हुई थी। ऐसे में, केंद्र सरकार ने वायु सेना के विमानों और रेलवे के जरिए देशभर में ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित की थी। इस तरह, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हम तेजी से इस समस्या से निजात पा सके हैं। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि गुजरात में आम तौर पर ऑक्सीजन की खपत 250 टन रहती थी, जो दूसरी लहर में 1200 टन तक पहुंच गई। उस स्थिति में केंद्र सरकार ने ऑक्सीजन, वेंटिलेटर और इंजेक्शन जैसी हर तरह की मदद राज्य को मुहैया कराई। इस दूसरी लहर में भी पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित की गई। रूपाणी ने यह साफ किया कि कोरोना की दूसरी लहर में अनेक राज्यों में ऑक्सीजन की कमी के चलते मरीजों की मौत हुई थी, लेकिन गुजरात में एक भी मरीज को ऑक्सीजन की कमी के कारण अपनी जान नहीं गंवानी पड़ी है। उन्होंने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान राज्य के सभी हॉस्पिटलों में ऑक्सीजन की व्यवस्था को हमने भली-भांति संभाला है। आज ऑक्सीजन की खपत 1200 टन से घटकर 300 टन रह गई है, इसलिए हम एक बड़ी समस्या से अब बाहर निकल चुके हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने चक्रवाती तूफान तौकते की तबाही के दौरान भी प्रभावित क्षेत्रों के हॉस्पिटलों में ऑक्सीजन की कमी से निपटने और मरीजों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पडे उसके लिए अग्रिम योजना बनाई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि चक्रवात से सर्वाधिक प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित न हो तथा ऑक्सीजन की कमी न हो, उसके लिए राज्य सरकार ने पहले ही ऑक्सीजन की अतिरिक्त खेप उन स्थलों पर पहुंचा दी थी। यही कारण है कि विनाशक चक्रवात तौकते के आने के बावजूद सौराष्ट्र क्षेत्र के एक भी हॉस्पिटल में ऑक्सीजन की कमी नहीं हुई।

कोरोना वायरस से एक भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई

भावनगर ।

पूरे विश्व में कोरोना बीमारी ने हाहाकार मचाया हुआ है । इस बीच भी भावनगर जि ले का पांचतलावडा गांव में अभी तक कोरोना की वजह से एक भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई है । यहां सरपंच द्वारा प्रशासन की गाइडलाइन का पालन कराते ग्रामीणों की जागरूकता का अच्छा परिणाम देखने को मिला है । कोरोना की दूसरी लहर ने ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना ने हाहाकार मचाया हुआ है । अब भावनगर जिले के सणोसरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नीचे आते नानकडा और प्रगतिशील पांचतलावडा गांव लोगों ने कोरोना के खिलाफ जीत हासिल की है । दो वर्ष के कोरोना महामारी में यहां दस से १५ व्यक्ति कोरोना की चपेट में थे । लेकिन अस्पताल में प्राथमिक उपचार बाद गांव में ही अपने घर पर बीमारी को दूर की । भावनगर जिले में कोरोना ने ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन केस में वृद्धि हो रही थी । एक समय ग्रामीण में १०० से ज्यादा केस आते थे और भावनगर जिले में अभी तक में ७३९६ केस पॉजिटिव दर्ज हुए है और इसके सामने ग्रामीण में १३४ लोगों की मौत हुई है । सणोसरा हेल्थ केंद्र के उपचार मार्गदर्शन के साथ सरपंच और ग्रामपंचायत की सतर्कता के साथ ग्रामीणों की जागरूकता के है । इसके लिए मेरा गांव और मेरे लिए गर्व की बात है । रहने से गांव बहुत बढ़िया रहा है । हेल्थ केंद्र के अधिकारी द्वारा लोगों में जागरूकता लाने के लिए मार्गदर्शन देते थे और कोरोना की गंभीरता से लेकर इसके खिलाफ सुरक्षा प्राप्त करने में सफलता मिली थी । इस मामले में गांव के सरपंच बालाभाई डांगर द्वारा बताया गया कि, हमने गांव के प्रशासन की गाइडलाइन का पालन कराया । कोई गांव ऐसा नहीं हो जहां कोरोना की वजह से गांव में मौत नहीं हुई हो, लेकिन हम नसीबदार है कि हमारे गांव में दो वर्ष के दौरान कोरोना की वजह से एक भी मौत नहीं हुई

टाटा मोटर्स और टाटा पावर ने सूरत में हाई-स्पीड ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किया

सूरत । देश में ईवी को अपनाये जाने में तेजी लाने के अपने सतत् प्रयास में, टाटा मोटर्स और टाटा पावर ने हाल ही में सूरत में श्रीजी ऑटोमार्ट, पिप्लोद एवं प्रमुख ऑटो, उमिया नगर पर 2 हाई-स्पीजड सीसीएस2 ईवी चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया है। इसके साथ ही, कंपनी के पास सूरत में 5 चार्जर्स और पूरे गुजरात में 18 चार्जर्स का सबसे बड़ा चार्जिंग नेटवर्क हो गया है, जो प्रमुख मार्गो पर हैं। अब टाटा ईवी के सभी ग्राहक अहमदाबाद-वड़ोदड़ा-सूरत, अहमदाबाद-राजकोट और अहमदाबाद-गांधीनगर के बीच निश्चिंत होकर यात्रा कर सकते हैं।

यह हाई-स्पीड ईवी चार्जर सुविधाजनक और भरोसेमंद है और केवल एक घंटे में नेक्सून ईवी को 0 से 80त्न चार्ज कर सकता है। अबाध यूजर इंटरफेस की पेशकश करने के लिये बनी टाटा पॉवर इजेड चार्ज एप की सहायता से, नेक्स न ईवी के यूजर्स अब घर से दूर रहने पर भी आसानी से चार्जिंग स्टेयशन को ढूंढ कर और पेमेंट कर चार्जिंग स्टेईशन का इस्तीमाल कर सकते हैं। यह एप्लीाकेशन यूजर को अपने चार्ज स्टे टस पर नजर रखने और जाने के लिये तैयार होने की सूचना भी देगी।

उद्घाटन पर श्री रमेश दोराइराज, हेड- सेल्सच, मार्केटिंग और कस्टामर केयर, इलेक्ट्रिक व्हीएकल बिजनेस यूनिट, टाटा मोटर्स, ने कहा कि, "देश में ईवी को अपनाने में तेजी लाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुसार, हम सूरत के श्रीजी ऑटोमार्ट, पिप्लानद और प्रमुख ऑटो, उमिया नगर में एक हाई-स्पी ड ईवी चार्जिंग स्टेपशन प्रतिष्ठापित करके खुश हैं। चार्जिंग स्टेऑशन की उपलब्धनता न केवल घर से दूर रहने पर सुविधा देगी, बल्कि ईवी को अपनाये जाने की बाधाएँ हटाने में योगदान भी देगी। हम टाटा पावर के साथ मिलकर चार्जिंग का अबाध अनुभव देने और ईवी चार्जिंग के बुनियादी ढांचे को अगले स्तीर पर पहुंचाने के लिये प्रतिबद्ध हैं। तेजी से बढ़ रहे चार्जिंग नेटवर्क और नेक्स्न ईवी की बेहतरीन श्रृंखला के साथ, हमें यकीन है कि हमारे ईवी ग्राहक अब यात्रा में ज्यासदा समय बिताएंगे।"

उद्घाटन के बारे में संदीप बांगिया, हेड-ईवी, एचए और एस्को बिजनेस, टाटा पावर, ने कहा कि, च्छम अपने चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार कर देश में ईवी को अपनाये जाने को गति देने के लिये प्रतिबद्ध हैं। अभी, टाटा नेक्सईन ईवी के सभी मालिकों के लिये भारत के 92 शहरों एवं प्रमुख प्रमुख अंतरशहरी मार्गों पर 292 चार्जिंग पॉइंट्स इंस्टाकल हो चुके हैं। अकेले गुजरात में हमने 18 चार्जिंग पॉइंट्स इंस्टापल किये हैं और यह संख्या केवल बढ़ेगी ही। श्रीजी ऑटोमार्ट, पिप्लासद एवं प्रमुख ऑटो, उमिया नगर पर जो सीसीएस2 चार्जिंग स्टेशन इंस्टापल हुआ है, ऐसे चार्जिंग स्टेढशंस को विशेष रूप से कार्यस्थलों, होटलों और वाणिज्यिक क्षेत्रों में इंस्टावल किया जाता है, जहां ईवी के मालिक आमतौर पर कई घंटे बिताते हैं और अपने वाहनों को आसानी से रिचार्ज कर सकते हैं। शहर में चार्जिंग स्टेलशन की उपलब्धशता के साथ, हम ईवी के मालिकों और प्रेमियों से अपने नजदीकी चार्जिंग स्टेरशन का पूरा फायदा उठाने और खुद को सशक्त करने का आग्रह करते हैं।"

कोरोना में पति की मौत होने पर ससुराल वालों ने खर्च मांगा

अहमदाबाद ।

शहर के पूर्व क्षेत्र में रहती एक महिला ने अपने ससुराल वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है । इस महिला की पति की कोरोना में मौत होने के बाद ससुराल वाले इस पर अत्याचार करते थे । महिला के पति को जबकि कोरोना के उपचार के लिए अस्पताल में भेजा गया तब इसका जो बिल हुआ था यह रकम इस महिला के माइके से लेकर आये ऐसी मांग ससुराल के लोग कर रहे थे । ससुराल के लोग बिल की रकम की अक्सर मांग करके विवाहिता पर अत्याचार करते थे । महिला ने यह मामले में शिकायत दर्ज कराने पर पुलिस ने पूरे मामले में जांच शुरू कर दी है । मणिनगर पूर्व में रहती ४१ वर्षीय महिला के वर्ष २००१ में शादी में हुई थी । फिलहाल वह अपने माइके में बेटी के साथ रहती है । उनके पति मेहसाणा दूधसागर डेयरी में नौकरी करते थे । मई महीने में उनके पति की कोरोना की वजह से मौत हुई थी । पति की मौत के बाद ससुराल वालों ने अपना रंग बताना शुरू किया था । सास, ससुर, देवर, देवरानी और ननंद तथा मौसीजी का बेटा अक्सर विवाहिता पर अत्याचार करते थे । महिला के पति को कोरोना के उपचार के लिए अस्पताल में भेजा गया, जिसका बिल चुकाने के बाद पैसा माइके से लेकर आने के लिए दबाव करते थे । इतना ही नहीं घर से निकाल देने का कहकर संपत्ति में हिस्सा नहीं देने का कहकर अत्याचार करते थे । सभी लोग महिला जहां तक माइके से पैसा नहीं लाएगी तब तक घर में नहीं रहने देने का कहकर अत्याचार करते थे । विवाहिता के ससुराल वालों ने लगातार अत्याचार करके पैसा नहीं लाये तो माइके में रहने जाने का कहने पर महिला माइके में रहने लगी । दूसरी तरफ महिला के पति की मौत होने के बाद उसने दूधसागर डेयरी में नौकरी लेने के लिए अर्जी की थी । हालांकि, ससुराल वालों ने महिला को नौकरी नहीं मिले ऐसी अर्जी की थी । ससुराल वालों ने विवाहिता को अलग-अलग प्रकार से अत्याचार करते थे आखिर में विवाहिता ने खोखरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी ।

ऑल इंडिया कांग्रेस सेवादल के प्रमुख लालजीभाई देसाई द्वारा सूरत शहर कांग्रेस सेवा दल उपप्रमुख राजेंद्र तिवारी को बनाया गया

सूरत। ऑल इंडिया कांग्रेस सेवादल के प्रमुख लालजी देसाई और गुजरात प्रदेश कांग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक रितिक भाई मकवाना के सूचना अनुसार गुजरात प्रदेश कांग्रेस सेवादल के उप प्रमुख योगेश भाई पटेल तथा महामंत्री मनीषभाई गिलीट वाला के मार्गदर्शन से सूरत शहर कांग्रेस सेवादल शहर उप प्रमुख राजेंद्र तिवारी जी को बनाकर संगठन को मजबूत बनाया गया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)